साप्ताहिक
रणजीत टाइम्स
RNI-NO.MPHIN/2015/64585
इंदौर प्रति मंगलवार, 17 फरवरी 2026 से 23 फरवरी 2026 तक | प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे | वर्ष 13 अंक -39 कुल पृष्ठ: 8 मूल्य 2 रु.

केमिकल पटाखा फैक्ट्री में आग, सात मजदूरों की मौत

अलवर।

भिवाड़ी की खुशखेड़ा कारोली की एक केमिकल और पटाखा बनाने वाली फैक्टरी में सोमवार सुबह अचानक भीषण आग लग गयी। धमाकों और आग की लपटों के बीच फैक्टरी में काम कर रहे मजदूरों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। हादसे में अब तक सात लोगों की झुलसने से मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि एक मजदूर के अब भी अंदर फंसे होने की आशंका जताई जा रही है। घटना के बाद भिवाड़ी, खुशखेड़ा, तिजारा, धारूहेड़ा, रेवाड़ी सहित कई जगह की दमकल मौके पर आग बुझाने के लिए पहुंचीं और आग पर काबू पा लिया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर वन व पर्यावरण मंत्री संजय शर्मा विधानसभा से घटनास्थल के लिए रवाना हो गए हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आज सुबह करीब 9.30 बजे तेज धमाके की आवाज के साथ देखते ही देखते आग ने पूरी यूनिट को अपनी चपेट में ले लिया। फैक्टरी में ज्वलनशील केमिकल और पटाखा सामग्री रखी होने के कारण आग तेजी से फैल गई। मौके पर पहुंची दमकल की कई गाड़ियों ने घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हादसा का है। रीको? के फायर अधिकारी राजू खान ने बताया कि घटनास्थल से अब तक सात शव मिल चुके हैं। हादसा इतना भयावह था कि कई शव बुरी तरह झुलस गए। रेस्क्यू टीम को बॉडी पार्ट्स प्लास्टिक बैग में इकट्ठा करने पड़े। प्रशासन ने मृतकों की शिनाख्त के लिए डीएनए जांच कराने की बात कही है।जिला प्रशासन और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है।

25 मजदूरों के बीच मची चीख-पुकार

घटना के समय फैक्ट्री के भीतर करीब 25 मजदूर काम कर रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, धमाके के बाद पूरी फैक्ट्री आग का गोला बन गई। कुछ मजदूर जो गेट के पास थे, वे जैसे-तैसे बाहर निकलने में कामयाब रहे, लेकिन जो गहराई में काम कर रहे थे, वे वहीं फंस गए। चीख-पुकार के बीच दो मजदूर बुरी तरह झुलस गए, जिनकी हालत नाजुक देखते हुए उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद तुरंत दिल्ली एम्स रेफर किया गया है, जहां वे जिंदगी और मौत की जंग लड़ रहे हैं।

पत्थर से सिर फोड़ा

इंदौर। चंदननगर क्षेत्र के नावदापंथ में एक युवक ने आरोपी को गाली गलौज करने से मना किया तो उसने पत्थर से हमला कर सिर फोड़ दिया। पुलिस के मुताबिक घटना नावदापंथ क्षेत्र की है। फरियादी सुखराम बारिया निवासी हि मतगढ नावदापंथ ने बताया कि मैं परिवार के साथ पीथमपुर स्थित जानापाव मंदिर घूमने के लि जा रहा था। हम एक किराना दुकान के पास पहुंचे तो वहां मौजूद आरोपी गोपाल उर्फ छोटू ने बिना किसी कारण के गंदी गंदी गालियां दी। जब उसे परिवार के सामने गाली देने से मना किया और विरोध जताया तो आरोपी ने बड़ा पत्थर उठाया और मेरे सिर पर वार कर दिया। इससे सिर फट गया और खून बहने लगा।

डाक्टर के सूने घर में घुसे चोर,नक दी और बर्तन ले भागे

इंदौर। पलासिया इलाके में एक डाक्टर के सूने मकान में घुसे चोर हजारों नककदी और आर्टिफिशियल 'वेलरी के साथ बत4न तक ले भागे। पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। पुलिस के मुताबिक चोरी की वारदात मनोरमागंज में रहने वाले डाक्टर पुलकित चतुर्वेदी के घर हुई। फरियादी ने पुलिस को बताया कि वे किसी काम से बाहर गए थे। उसी दौरान सूने घर का फायदा उठाकर अज्ञात बदमाश ने मु य गेट का ताला तोड़ा और चोरी को अंजाम दिया। अज्ञात बदमाश घर में घुसे और कमरे की तलाशी ली। अलमारी के लाकर को औजारों की मदद से तोड़ दिया। चोरों ने तीस हजार रूपए नकद, आर्टिफिशियल 'वेलरी के साथ किचन में रखे कीमती बर्तन भी समेटे और भाग गए। वे घर वापस लौटे तो ताला टूटा मिला और सामान बिखरा पड़ा था। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ चोरी का प्रकरण दर्ज कर लिया। पुलिस टीम इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से बदमाशों के आने जाने के रास्तों का पता लगा रही है।

अमेरिका के साथ व्यापार समझौता देश के किसानों के लिए खतरा: कांग्रेस

नई दिल्ली।

कांग्रेस ने भारत और अमेरिका के बीच अंतरिम व्यापार समझौते से देश के किसानों और जैविक विविधता पर सीधा खतरा बताया। पार्टी ने कहा कि खेती, ऊर्जा सुरक्षा और व्यापार की शर्तें, ये तीन सबसे अहम मुद्दे हैं, जिन पर सरकार ने देशहित को दांव पर लगा दिया है। कांग्रेस महासचिव एवं सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला ने सोमवार को यहां पार्टी मुख्यालय में पत्रकार वार्ता में कहा कि छह फरवरी को जारी हुई रूपरेखा अंतरिम समझौते के पहले ही बिंदु में यह तय किया गया है कि भारत अमेरिका से खाद्य और कृषि उत्पादों का आयात बिना किसी शुल्क के करेगा।

यह भारतीय किसानों की आजीविका पर सीधा हमला है। अमेरिका से बिना आयात कर के मक्का, ज्वार और सोयाबीन ऑयल आयात होने पर भारत के किसानों को भारी नुकसान होगा। भारत में

मक्का, ज्वार और सोयाबीन का बड़ा उत्पादन होता है, लेकिन अमेरिका इन फसलों का कहीं अधिक उत्पादन करता है और भारत जैसे बड़े बाजार की तलाश में है। अगर अमेरिकी उत्पाद बिना शुल्क भारत में बिकेंगे तो भारतीय किसानों का क्या होगा? उन्होंने कहा कि अमेरिका ने बांग्लादेश के साथ कपास को लेकर समझौता किया है, जिसके तहत अमेरिकी कपास और धागे से बने कपड़े पर अमेरिका में शून्य शुल्क लगेगा, जबकि भारत से निर्यात पर 18 प्रतिशत शुल्क लगेगा। सरकार ने भी अमेरिका से कपास आयात का दरवाजा खोल दिया है। भारत ने 2024-25 में ही अमेरिका से 3,428 करोड़ रुपये का कपास आयात कर लिया, जबकि भारत खुद कपास उत्पादन में सक्षम है।

अगर यह आंकड़ा बढ़कर 20 हजार करोड़ रुपये हो गया तो भारतीय कपास किसानों का क्या होगा। इस समझौते से तिरुपुर, सूरत, पानीपत और लुधियाना जैसे वस्त्र उद्योग केंद्रों पर सीधा असर पड़ेगा। भारत से बांग्लादेश को सालाना 24,550 करोड़ रुपये का कपास और धागा निर्यात होता है, लेकिन अब बांग्लादेश अमेरिका से आयात करेगा, जिससे भारतीय किसानों और उद्योगों पर दोहरी मार पड़ेगी। उन्होंने कहा कि समझौते में अतिरिक्त समानों का उल्लेख है, जिसका मतलब है कि खाद्य और कृषि उत्पादों के अलावा भी अमेरिका से अन्य सामान आयात होंगे। इसमें सेब, संतरा, चेरी, नाशपाती और स्ट्रॉबेरी जैसे फल हैं, जिससे भारतीय फल उत्पादक किसानों को नुकसान होगा।

सुरजेवाला ने कहा कि भारत अब तक जीएम फसलों के आयात की अनुमति नहीं देता था क्योंकि इससे बीज शुद्धता और जैविक विविधता पर असर पड़ता है, लेकिन इस समझौते के बाद प्रसंस्कृत मक्का, ज्वार, सोयाबीन और अन्य उत्पादों के आयात से भारत की जैविक विविधता पर गंभीर खतरा होगा। उन्होंने कहा कि व्यापार समझौते में गैर-व्यापार अवरोध हटाने का मतलब किसानों की सब्सिडी कम करना और जीएम फसलों को मंजूरी देना है। अमेरिका अपने किसानों को सालाना 1.45 लाख करोड़ रुपये की सब्सिडी देता है, जबकि भारत में प्रति किसान परिवार को केवल 6 हजार रुपये मिलते हैं। इसके बावजूद मोदी सरकार ने अमेरिका की शर्तें मान लीं।

डीपफेक और गलत सूचनाएं समाज की नींव पर हमला, तकनीकी, कानूनी समाधान जरूरी : वैष्णव

नई दिल्ली। एजेंसी

सूचना एवं प्रसारण और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एआई इम्पैक्ट समिट से पहले डीपफेक्स, गलत एवं भ्रामक सूचनाओं के प्रसारण पर कहा कि यह प्रवृत्ति समाज की नींव पर हमला है। समाज की नींव संस्थाओं के बीच विश्वास है। परिवार, सामाजिक पहचान और शासन जैसी संस्थाएं सदियों से समाज को जोड़कर रखती हैं, लेकिन डीपफेक्स और भ्रामक सूचनाओं का तेजी से फैलना इन संस्थाओं के बीच विश्वास को कमजोर कर रहा है। वैष्णव ने यहां भारत मंडपम में इंडिया एआई इम्पैक्ट एक्सपो के उद्घाटन से पहले एक सत्र में कहा कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, एआई मॉडल और उनके निर्माता सभी को जिम्मेदारी लेनी होगी कि नई तकनीक विश्वास को मजबूत करे, न कि उसे तोड़े। इसके लिए तकनीकी एवं कानूनी समाधान जरूरी हैं। अगर नई तकनीक संस्थाओं के बीच विश्वास को कमजोर करती है और विकल्प नहीं देती, तो यह समाज के लिए खतरनाक होगा। मंत्री वैष्णव ने कहा कि उन्होंने 20 से अधिक देशों के मंत्रियों से इस विषय पर बातचीत की है। इनमें कुछ सबसे उदारवादी देश भी शामिल हैं और लगभग सभी का मानना है कि अब समय आ गया है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को नए दृष्टिकोण से देखा जाए। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के साथ बोलने वाले व्यक्ति पर जिम्मेदारी भी होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि डीपफेक्स और गलत सूचना का मुकाबला करने के लिए वैश्विक स्तर पर साझा प्रयास जरूरी हैं। तकनीकी समाधान के साथ-साथ कानूनी ढांचे को भी मजबूत करना होगा ताकि समाज की नींव पर हमला करने वाली इन चुनौतियों का सामना किया जा सके। उल्लेखनीय है कि 16 से 20 फरवरी तक नई दिल्ली में आयोजित होने वाली एआई इम्पैक्ट समिट के साथ ही एआई एक्सपो का भी आयोजन हो रहा है।

स्वयंसेवकों की गुरूदक्षिणा दान नहीं, उनकी भक्ति है- संघ

बेंगलुरु। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने एक बार फिर स्पष्ट किया है कि वह एक सार्वजनिक सांस्कृतिक संगठन है। संघ कार्य में होने वाला खर्च उसके स्वयंसेवकों द्वारा वर्ष भर में एक बार स्वेच्छा से अर्पित की गई गुरुदक्षिणा के माध्यम से चलता है। संघ न तो किसी दल विशेष का समर्थन करता है और न ही सार्वजनिक तौर पर चंदा संग्रह करता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (कर्नाटक) के अधिकृत पत्रकार समूह और समविचारी संगठनों के व्हाट्स अप समूहों में इस आशय का एक वीडियो तेजी से वायरल हुआ है, इसमें संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत संघ के शताब्दी वर्ष में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए संघ के कार्य संचालन की जानकारी साझा कर रहे हैं। इसमें संघ प्रमुख ने स्पष्ट किया है कि ''स्वयंसेवकों द्वारा दी गई गुरुदक्षिणा दान नहीं बल्कि उनकी भक्ति है।'' संघ प्रमुख के वायरल हो रहे इस वीडियो को कर्नाटक के सूचना और यातायात मंत्री प्रियांग खरगे के विवादित बयान से जोड़कर देखा जा रहा है।

'भारतीय संस्कृति में निहित, मातृ और पिता का पूजन हमारी सांस्कृतिक विचारधारा का पर्व बना - डॉ भरत शर्मा'

मातृ पिता पूजन दिवस राष्ट्रीय संस्थान संत आसाराम गुरुकुल द्वारा देशभर में समारोहपूर्वक आयोजित किया गया। इंदौर के दशहरा मैदान में आयोजित समारोह में सैकड़ों की संख्या में नौनिहाल ने अपने माता पिता का पूजन कर उनके प्रति अपनी कृतज्ञता और भारतीय संस्कृति में मातृ देवो भव, पितृ देवो भव के संस्कार को पूर्ण करने का सार्थक प्रयास किया। उक्त अवसर पर विशेष अतिथि के रूप में पधारे डॉ. भरत शर्मा (सदस्य - संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार) ने इस आयोजन पर बधाई देते हुए कहा की यह गौरतलब है कि 14 फरवरी को जब आधुनिकता के आडंबर में प्रेम पर्व के नाम पर फूहड़ता दिखाई देती है ऐसे समय में इस दिन मातृ- पितृ पूजन का प्रकल्प हमे अपनी संस्कृति और आध्यात्मिक विरासत सहेजने का प्रकल्प और श्रद्धा का पर्व बन जाता है। शिक्षण ग्रहण कर छात्र तो बनाये जा सकते है पर श्रवण कुमार जैसे गुण अंकुरित करने के लिए ऐसे आयोजन एक महत्ती भूमिका निभाते है। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भारत को विश्वगुरु के रूप में स्थापित करने का स्वप्न ऐसे ही संस्कारों की नीव से मजबूत होता दिखाई देता है।

उक्त अवसर पर गुजरात से पधारे संत रामा महाराज ने उद्बोधन में कहा कि सच्चा प्रेम त्याग, मर्यादा और सम्मान में निहित होता है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे पाश्चात्य प्रभाव से दूर रहकर भारतीय संस्कारों को अपने जीवन में अपनाएँ। मंच से मंत्रोच्चार और वैदिक पद्धति से पालकों का विधि विधान से पूजन उनके बच्चों द्वारा करवाया।

कार्यक्रम में पधारे सद्गुरु माऊली दत्त संत डॉ. अन्ना महाराज ने आयोजकों को बधाई देते हुए कहा कि ऐसे आयोजन विश्व भर में किए जाने चाहिए जिससे भारतीय संस्कृति की पैठ सब जगह पहुचाई जा सके। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलित कर की गई और संस्थान के विद्यार्थियों द्वारा मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ कर की गई। झाँसी रानी का शौर्य, माता पिता पर काव्य, गीतऔर नाट्य जिसमें रामायण की प्रस्तुति सभा को भावुक कर गई। विशेष रूप से बिहार से पधारे अतिथि श्री आशुतोष झा, समाज सेवी श्री वीरेंद्र पुराणिक जी गुरमुख दास जी, दयालदास जी, कमल पूरी महाराज जी, गणेश गोस्वामी जी तथा माधव दास जी झा ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए मातृ-पितृ सेवा को सर्वोच्च धर्म बताया। कार्यक्रम में अतिथि स्वागत श्री महेश पटेल, श्री पंकज बुलानी जी द्वारा किया गया। कार्यक्रम में सैकड़ों की तादाद में शहर के गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

जिला पंचायत सीईओ द्वारा सीएम हेल्पलाइन एवं समय-सीमा पत्रों की हुई समीक्षा

प्रदीप सिंह बघेल। शहडोल

सीईओ जिला पंचायत श्री शिवम प्रजापति द्वारा कलेक्टर कार्यालय के विराट सभागार में सीएम हेल्पलाइन एवं समय-सीमा के पत्रों की विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई। सीईओ जिला पंचायत ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सीएम हेल्पलाइन में 100 दिवस से अधिक समय से लंबित शिकायतों का प्राथमिकता के साथ गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि शिकायतों का निराकरण केवल औपचारिक न होकर संतोषजनक एवं उच्च गुणवत्ता का होना चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए कि सीएम हेल्पलाइन की नियमित मॉनिटरिंग जिला स्तरीय अधिकारी स्वयं करें तथा शिकायतों के निराकरण से संबंधित जवाब एल-1 अधिकारियों के माध्यम से अनिवार्य रूप से दर्ज कराएं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि कोई भी शिकायत अनअटेंडेड न रहे, इसके लिए मैदानी अमले को भी दायित्व सौंपा जाए। साथ ही जिन विभागों में शिकायतों की संख्या कम है, वहां शत-प्रतिशत निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में अपर कलेक्टर श्री सरोधन सिंह, एसडीएम सोहागपुर श्रीमती अमृता गर्ग, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती अन्तोनिआ एक्का, सुश्री अर्चना मिश्रा, श्रीमती गैलेक्सी नागपुरे सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

पीजी कॉलेज खरगोन में 'योग थेरेपी' सर्टिफिकेट कोर्स का समापन

खरगोन. खरगोन 16 फरवरी 2026। शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय खरगोन के क्रीड़ा विभाग द्वारा आयोजित 20 दिवसीय योग थेरेपी सर्टिफिकेट कोर्स का 16 फरवरी को समापन हुआ। 28 जनवरी से 16 फरवरी तक चले इस विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम में विद्यार्थियों को योगासन, प्राणायाम, ध्यान एवं विभिन्न चिकित्सीय योगाभ्यासों का व्यावहारिक एवं सैद्धांतिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य केवल योग सिखाना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के शारीरिक, मानसिक एवं भावनात्मक संतुलन को सुदृढ़ बनाना था। प्रशिक्षण के दौरान योग के इतिहास, दर्शन तथा विभिन्न शारीरिक एवं मानसिक विकारों के लिए उपयुक्त योगिक उपचारों की वैज्ञानिक जानकारी भी दी गई। क्रीड़ा अधिकारी डॉ. गगन चौधरी ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि यह कोर्स शोध-आधारित पद्धति पर तैयार किया गया था। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास है कि विद्यार्थी योग को केवल अभ्यास के रूप में नहीं, बल्कि वैज्ञानिक दृष्टिकोण और जीवनशैली के रूप में अपनाएं। भविष्य में भी इस प्रकार के शोधोन्मुख प्रशिक्षण कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जाएंगे।

सट्टे के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई जारी

घर के सामने ही चल रहे सट्टे और खिलाड़ियों पर हुई कार्रवाई

प्रदीप सिंह बघेल। शहडोल

जिले में अवैध जुआ और सट्टा गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए शहडोल पुलिस द्वारा लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में थाना सोहागपुर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से सट्टा खिलाने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से नगदी सहित सट्टा संचालन में प्रयुक्त सामग्री जब्त की है...प्राप्त जानकारी के अनुसार देर रात पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि सोहागपुर गढ़ी क्षेत्र में राजेश सोनी उर्फ पप्पू अपने घर के सामने रुपए-पैसों की हार-जीत की बाजी लगवाकर अवैध सट्टा पर्ची लिखने का काम कर रहा है। सूचना की तस्दीक के बाद पुलिस टीम ने तत्काल मौके पर दबिश दी, जहां आरोपी को सट्टा खिलाते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया गया।

पुलिस ने आरोपी के पास से 17 नग सट्टा पर्ची, 17,810 रुपए नगद, कार्बन के टुकड़े, डॉट पेन, कैलकुलेटर तथा एक सैमसंग कंपनी का मोबाइल फोन जब्त किया है। पूछताछ के दौरान आरोपी ने बताया कि वह अपने साथी विनीत द्विवेदी उर्फ लालन द्विवेदी के साथ मिलकर इस अवैध कारोबार को संचालित कर रहा था और मोबाइल फोन के माध्यम से प्रतिदिन सट्टे की बुकिंग एवं राशि का पूरा हिसाब भेजा जाता था,इसके बाद पुलिस ने सह आरोपी विनीत द्विवेदी को भी हिरासत में लेकर उसके कब्जे से सट्टा अंक दर्ज रजिस्टर, कैलकुलेटर, डॉट पेन एवं वीवो कंपनी का मोबाइल फोन जब्त किया है। दोनों आरोपियों के विरुद्ध पब्लिक गैंबलिंग एक्ट एवं बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी गई है....इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक अरुण कुमार पाण्डेय सहित पुलिस टीम की सराहनीय भूमिका रही।

जहिर सूचना

उपरोक्त विषयक लेख के माध्यम से सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत सिंहासा, जिला इंदौर क्षेत्र में स्थित भूमि खसरा क्रमांक 254/1/2 में मौजूद लघु तालाब, जिसका वर्तमान में कोई उपयोग नहीं हो रहा है, के संबंध में यह सूचना प्रकाशित की जा रही है

उक्त तालाब/भूमि के अवलोकन उपरांत ग्रामीणों द्वारा आपसी सहमति एवं सर्वसम्मति से समिति का गठन किया गया है, जिसका पंजीयन मत्स्य पालन विभाग, जिला इंदौर (म.प्र.) में विधिवत दर्ज है।

मुख्यमंत्री एवं लघु उद्योग रोजगार सहायता योजना के अंतर्गत ग्रामीण रोजगार के अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से मछली पालन हेतु दक्ष मछुआ स्वयं सहायता समूह को उक्त तालाब आगामी दस वर्ष की अवधि के लिए अधिकृत/आवंटित किया जाना प्रस्तावित है।

यदि किसी व्यक्ति/संस्था को इस संबंध में कोई आपत्ति हो तो वह इस सूचना के प्रकाशन दिनांक से सात (7) दिवस के अंदर ग्राम पंचायत कार्यालय में संपर्क कर अपनी लिखित आपत्ति प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।

दिनांक-17/2/2026द्वार मंगलवार
स्थान- ग्राम पंचायत सिंहासा, जिला इंदौर

जहिर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है की मेरे पक्षकार के द्वारा गणेश लाल परवते पिता तेज्या निवासी, एन 39 शिव मन्दिर के पीछे विशाल नगर तह. व जिला खण्डवा म.प्र. के मालिकी एवं अधिपत्य की ग्राम उमरदा मे स्थित भूमि जिसका पटवारी हल्का 30 के राजस्व निरिक्षक मण्डल पंधाना जिला खण्डवा के अनुसार सर्वे क्रमांक 437 / 3 (स) का कुल रकबा 1. 0600 हैक्टर सौदा किया है तथा इस पेटे आंशीक बयाना राशी भी अदा कर दी है। यदि उक्त भूमि को मेरे पक्षकार के द्वारा खरीदने पर अगर किसी को कोई आपत्ति हो व यदि सदर संपत्ति पर किसी भी व्यक्ति, संस्था, वारीस निकाय आदि का किसी भी प्रकार का भार अथवा बोझ (जैसे कर्ज, जमानत, मेन्टेनेंस, अटेचमेंट, डिक्री आदि) हो या शासकीय, अर्द्धशसकीय विभाग नजुल विभाग को इस विक्रय व्यवहार से आपत्ति हो तो इस जाहिर सूचना के प्रकाशन दिनांक से 7 दिनो मे आपत्ति सप्रमाण प्रस्तुत करे अन्यथा अवधि गुजरने के पश्चात कोई आपत्ति प्राप्त नही होने पर मेरे पक्षकार उक्त भूमि विक्रेता से पंजिकृत विक्रय लेख अपने पक्ष मे करवा लेंगे और इसके पश्चात किसी प्रकार की कोई आपत्ति स्वीकार नही की जाएगी।

आम जनता की सूचनार्थ।

अभिभाषक
विकास भारद्वाज
393, स्कीम न0 114 पार्ट - 1, सन्त नगर इंदौर
मोबाइल न0 7027078128

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अभिषेक चौधरी की अध्यक्षता में समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक संपन्न

धार. दिलीप पाटीदार

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अभिषेक चौधरी द्वारा सोमवार को कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सीएम हेल्पलाइन की विस्तृत समीक्षा कर समस्त विभागों को प्रगति लाने तथा शिकायतों का संतुष्टिपूर्ण एवं समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा धार जिले के लिए वित्तीय वर्ष 2026-27 की पोटेंशियल लिंक्ड प्लान (क्कक्क) पुस्तक का विमोचन किया गया। क्कक्क के माध्यम से जिले के विकास को समर्थन देने हेतु समन्वित योजना एवं क्रेडिट फ्लो को सुदृढ़ करने पर विशेष फोकस किया गया। यह विमोचन नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक (ष्ठष्ठरू) श्रीमती सौदामिनी माईणकर की उपस्थिति में संपन्न हुआ।

बैठक में संकल्प से समाधान अभियान की समीक्षा करते हुए समस्त मुख्य नगर पालिका अधिकारी एवं जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को अधिक से अधिक आवेदनों की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए गए। अभियान की ब्लॉकवार समीक्षा कर प्रगति लाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए।

विभिन्न विभागों के बैंकर्स चेक के लंबित भुगतान के संबंध में जिला कोषालय अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। साथ ही जिन हितग्राहियों की ई-केवाईसी लंबित है, उनकी ई-केवाईसी शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में सीएम मॉनिट व विभिन्न आयोग के लंबित प्रकरणों की समीक्षा कर प्रकरणों को प्राथमिकता के आधार पर समय सीमा अंतर्गत निराकृत किए जाने के निर्देश दिए ।मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने विशेष रूप से राजस्व न्यायालयों में लंबित नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन एवं अवैध अतिक्रमण से संबंधित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त प्रधानमंत्री आवास योजना, मुख्यमंत्री जनकल्याण योजना, आयुष्मान भारत योजना, स्वच्छ भारत मिशन, जल जीवन मिशन तथा पीएम किसान सम्मान निधि योजना की प्रगति की भी समीक्षा की गई। समस्त अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) को पैसा एक्ट के अंतर्गत लंबित प्रकरणों के निराकरण हेतु आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में यह भी बताया गया कि आगामी दिवस से जनगणना कार्य का प्रशिक्षण प्रारंभ किया जाएगा, जिसके लिए संबंधित अधिकारियों को अनिवार्य रूप से प्रशिक्षण प्राप्त कर कार्य संपादन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

मेरा युवा भारत द्वारा युवा मंडल विकास अभियान कार्यक्रम का शुभारंभ

धार

मेरा युवा भारत के अंतर्गत युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार द्वारा संचालित मेरा युवा भारत केंद्र, धार द्वारा धार ब्लॉक में युवा मंडल विकास अभियान कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। जिला युवा अधिकारी दीर्घा राजावत ने जानकारी देते हुए बताया कि अभियान के अंतर्गत 10 युवाओं की एक टीम गठित की गई है, जो गांव-गांव भ्रमण कर युवा मंडलों को सक्रिय करने का कार्य करेगी। युवा मंडल विकास अभियान का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में युवा मंडलों के नेटवर्क का विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण करना है। इसके अंतर्गत निष्क्रिय युवा मंडलों को पुन: सक्रिय किया जाएगा, युवाओं का पोर्टल पर पंजीकरण कराया जाएगा तथा उन्हें सामुदायिक विकास एवं राष्ट्र निर्माण में प्रभावी भूमिका निभाने हेतु नेतृत्व क्षमता एवं आवश्यक कौशल प्रदान किए जाएंगे। अभियान के माध्यम से युवाओं को संगठित कर उन्हें सामाजिक, शैक्षणिक एवं विकासात्मक गतिविधियों से जोड़ने की दिशा में सार्थक पहल की जा रही है।

कलेक्टर ने जिला पोषण समिति की समीक्षा बैठक ली

झाबुआ

कलेक्टर नेहा मीना की अध्यक्षता में कलेक्टर सभा कक्ष में जिला पोषण समिति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, लाड़ली लक्ष्मी योजना, कुपोषण उन्मूलन, टीएचआर वितरण सहित विभिन्न पोषण एवं स्वास्थ्य कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक के दौरान कलेक्टर ने लाड़ली लक्ष्मी योजना की परियोजनावार गहन समीक्षा की। खराब प्रदर्शन करने वाले सुपरवाइजर्स को नोटिस जारी करने तथा उत्कृष्ट कार्य करने वालों को प्रमाण-पत्र प्रदान करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अनुपातिक लक्ष्य की अपेक्षा वार्षिक लक्ष्य की पूर्ति पर विशेष जोर दिया जाए। साथ ही प्रतिदिन मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने हेतु लक्ष्य के विरुद्ध 10त्न, 20त्न एवं 50त्न प्रगति वाली आंगनवाड़ियों की दैनिक रिपोर्ट तैयार कर प्रगति की नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए।

लाड़ली बहना योजनान्तर्गत 81,419 बालिकाओं के समग्र सत्यापन में से 47,269 सत्यापन पूर्ण होने की जानकारी दी गई। कलेक्टर ने शेष सत्यापन कार्य शीघ्र पूर्ण करने के लिए वीएचएसएनडी सत्रों में व्यापक मोबिलाइजेशन, भगोरिया पर्व के दौरान विशेष अभियान चलाने तथा ग्राम सचिवों से समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना की समीक्षा के दौरान 12,365 के लक्ष्य के विरुद्ध 83.40 प्रतिशत उपलब्धि की जानकारी प्रस्तुत की गई। झाबुआ परियोजना में अपेक्षाकृत खराब प्रगति पर संबंधित सीडीपीओ को नोटिस जारी करने तथा कमजोर प्रदर्शन वाली आंगनवाड़ियों का निरीक्षण कर कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त फेस रिकग्निशन, अपार आईडी, आभा आईडी, हॉट कुक्ड मील एवं टीएचआर वितरण की भी समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री बाल आरोग्य एवं पोषण मिशन अंतर्गत पोषण ट्रैकर एप पर सैम मैम एवं एसयूडब्ल्यू बच्चों के चिन्हांकन एवं पंजीयन कार्य को पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। साथ ही एमोक्सिलीन सिरप की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा गया। प्री-स्कूल एजुकेशन की समीक्षा में पुस्तकों एवं मोंटेसरी खिलौनों के प्रभावी उपयोग पर जोर दिया गया। बैठक में बताया गया कि 293 सक्षम आंगनवाड़ी केंद्रों में से 79 पोषण वाटिकाएं एवं 58 रेन वाटर हार्वेस्टिंग कार्य पूर्ण किए जा चुके हैं। 105 स्वीकृत शौचालयों में से 37 प्रगतिरत हैं। कलेक्टर ने सभी निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ समयसीमा में पूर्ण कराने के निर्देश दिए। विभिन्न मदों के अंतर्गत स्वीकृत 479 आंगनवाड़ी कार्यों में से 103 पूर्ण, 362 प्रगतिरत एवं 14 अप्रारंभ हैं। अप्रारंभ कार्यों को शीघ्र प्रारंभ कराने के निर्देश दिए गए। बैठक में सहायिका एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के रिक्त पदों पर नियुक्ति में हो रही अनावश्यक देरी पर कलेक्टर ने कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में नाराजगी व्यक्त करते हुए जिला कार्यक्रम अधिकारी को निर्देशित किया कि नियुक्ति प्रक्रिया में हुई देरी के कारणों का विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जाए। साथ ही चेतावनी दी कि यदि समयबद्ध रूप से कार्यवाही सुनिश्चित नहीं की गई तो संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। बैठक में सहायक कलेक्टर श्री आशीष कुमार, महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री आर.एस. बघेल सहित सीडीपीओ एवं संबंधित सेक्टर सुपरवाइजर उपस्थित रहे।

सम्भागायुक्त डॉ. खाड़े ने ममलेश्वर मंदिर प्रबंधन समिति की बैठक ली

इन्दौर

सम्भागायुक्त इंदौर संभाग डॉ. सुदाम खाड़े ने शनिवार की शाम को ओंकारेश्वर पुलिस कंट्रोल रूम के सभाकक्ष में ममलेश्वर मंदिर प्रबंधन समिति की बैठक ली और मंदिर परिसर में व्यवस्थाओं का जायजा लिया। बैठक में कलेक्टर खण्डवा श्री ऋषव गुप्ता, एसडीएम पुनासा श्री पंकज वर्मा सहित अन्य अधिकारी और समिति के सदस्यगण भी मौजूद थे। सम्भागायुक्त डॉ. खाड़े ने बैठक में निर्देश दिए कि ममलेश्वर मंदिर में लगी लोहे की बेरीकेडिंग को हटाकर उसके स्थान पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए स्टेनलेस स्टील की जिगजेग बेरीकैंडिंग और मिस्ट फैन लगवाए जाएं। उन्होंने मंदिर आने वाले तीर्थयात्रियों के लिए फाइबर कैनोपी लगवाने के लिए भी कहा, ताकि वर्षा ऋतु और धूप से बचाव हो सके।

उन्होंने मंदिर परिसर में स्थित वृहदकालेश्वर मंदिर की मूर्तियों को अन्य स्थान पर रखने हेतु टीन शेड निर्माण करवाने के निर्देश भी दिए। सम्भागायुक्त डॉ. खाड़े ने ममलेश्वर मंदिर की इलेक्ट्रिक वायरिंग व्यवस्था को सुधारने के निर्देश भी दिए। उन्होंने ममलेश्वर मंदिर के गर्भगृह में एयर कंडीशनर लगवाने तथा निर्बाध विद्युत आपूर्ति के लिए जनरेटर की व्यवस्था करने के लिए भी कहा। सम्भागायुक्त डॉ. खाड़े ने ममलेश्वर मंदिर परिसर में खुली जगह में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए एक स्थाई शेड लगवाने के लिए भी कहा। उन्होंने ममलेश्वर मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए नार्मदीय धर्मशाला के बंद शौचालयों को खुलवाकर उनमें विद्युत,पानी और साफ सफाई की व्यवस्था करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने मंदिर परिसर में उद्घोषणा केंद्र और लड्डू प्रसाद काउंटर व्यवस्था शुरू करवाने और मंदिर परिसर में बड़ी एलईडी स्क्रीन लगवाने के निर्देश भी दिए।

जावर व जसवाड़ी में 'संकल्प से समाधान' अभियान के तहत शिविर सम्पन्न

खण्डवा

नागरिकों को उनकी पात्रता अनुसार सरकार की विभिन्न योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ दिलाने के लिये प्रदेश में इन दिनों संकल्प से समाधान अभियान आयोजित किया जा रहा है। इस अभियान के तहत सोमवार को खण्डवा विकासखण्ड के ग्राम जावर व जसवाड़ी में शिविर आयोजित किये गए। जावर के शिविर में कुल 430 आवेदन प्राप्त हुए, जिनका निराकरण किया गया। जावर के शिविर में 17 आयुष्मान कार्ड वितरित किए गए। इसके साथ ही बालिकाओं को लाड़ली

लक्ष्मी योजना के प्रमाण पत्र वितरित किए तथा जन्म मृत्यु सम्बंधी 3 प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इसके साथ ही सोमवार को संकल्प से समाधान अभियान के तहत ग्राम जसवाड़ी में भी शिविर आयोजित किया गया। शिविर में कुल 500 आवेदन प्राप्त हुए, इसमें से 285 का मौके पर ही निराकरण किया गया। राजस्व विभाग द्वारा 4 किसानों को क्रेडिट कार्ड प्रदान किए गए। साथ ही 3 किसानों को राजस्व अभिलेख उपलब्ध कराए गए। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. ओ.पी. जुगतावत ने बताया कि सोमवार को खण्डवा विकासखण्ड के ग्राम जावर व जसवाड़ी में आयोजित शिविर में मरीजों की उच्च रक्तचाप, मधुमेह, हीमोग्लोबिन व सिकलसेल की जांच कर उन्हें दवाईयां वितरित की गईं। टी.बी. के संभावित मरीजों का स्पुटम कलेक्शन भी किया गया। शिविर में पात्र हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड भी बनाए गए। ग्राम जावर में आयोजित शिविर में कुल 251 मरीजों तथा ग्राम जसवाड़ी में आयोजित शिविर में 262 मरीजों का उपचार किया गया। इस दौरान सीबीएमओ डॉ. एन.के. सेठिया, डॉ. हरिओम लाड़, डॉ. गौतम गुर्जर, डॉ. शीतल शर्मा, डॉ. चन्द्रपाल सोलंकी, सुपरवाइजर, सी.एच.ओ. व एएनएम ने सेवाएं दीं।

आलीराजपुर में हेल्थ एवं वेलनेस एम्बेसडर शिक्षकों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

आलीराजपुर

आलीराजपुर में हेल्थ एवं वेलनेस एम्बेसडर शिक्षकों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न आलीराजपुर, 16 फरवरी 2026। उमंग स्कूल हेल्थ एवं वेलनेस कार्यक्रम के अंतर्गत हेल्थ एवं वेलनेस एम्बेसडर शिक्षकों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण 12 से 14 फरवरी 2026 तक जिला आलीराजपुर में महाराजा रेस्टोरेंट फैमिली रेस्टोरेंट में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। यह प्रशिक्षण शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए शिक्षकों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य किशोर एवं किशोरियों से जुड़ी शारीरिक, मानसिक और सामाजिक समस्याओं की पहचान, समझ एवं उनके प्रभावी समाधान के लिए शिक्षकों को सक्षम बनाना रहा। प्रशिक्षण के दौरान किशोरावस्था में होने वाले शारीरिक एवं भावनात्मक परिवर्तन, पोषण एवं एनीमिया, मानसिक स्वास्थ्य, जीवन कौशल, संवाद कौशल तथा जेंडर संवेदनशीलता जैसे महत्वपूर्ण विषयों को सरल, व्यवहारिक और गतिविधि आधारित पद्धति से प्रस्तुत किया गया। प्रशिक्षण सत्रों का संचालन मास्टर प्रशिक्षक अविनाश वाघेला, प्रमिला किराड़, मडिया बामनिया एवं अमरिन दबूक द्वारा किया गया। समूह चर्चा, रोल प्ले, प्रश्नोत्तरी एवं सहभागिता पूर्ण गतिविधियों के माध्यम से शिक्षकों को विद्यालय स्तर पर विद्यार्थियों की समस्याओं को समय रहते पहचानने तथा उचित मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए प्रेरित किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश अतुलकर ने जेंडर विषय पर विस्तार से चर्चा करते हुए शिक्षकों को विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु संवेदनशील एवं सजग भूमिका निभाने का संदेश दिया। राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. अमित अजनार ने पीपीटी के माध्यम से मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम की जानकारी दी तथा मनहित ऐप डाउनलोड करवाया। राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. प्रमेय रेवडिया ने जिले के समस्त विद्यालयों को तंबाकू मुक्त शिक्षण संस्था बनाने पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्था (डायट) से श्री कैलाश चंद्र सिसोदिया तथा जिला शिक्षा केन्द्र से एपीसी श्री जितेंद्र चौहान उपस्थित रहे। जिला किशोर स्वास्थ्य समन्वयक भूपेंद्र मंडलोई, परामर्शदाता नूतन सोलंकी एवं अनिल निनामा द्वारा मनहित चैटबोट ऐप की जानकारी दी गई। एनीमिया मुक्त भारत कार्यक्रम के अंतर्गत आरबीएसके टीम द्वारा सभी किशोर-किशोरियों का स्वास्थ्य परीक्षण किए जाने की जानकारी दी गई, ताकि समय पर उन्हें आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल सके। उक्त जानकारी स्वास्थ्य विभाग आलीराजपुर द्वारा दी गई है।

कलेक्टर श्रीमती नीतू माथुर की अध्यक्षता में साप्ताहिक टीएल बैठक संपन्न

आलीराजपुर. सभी विभाग ई-ऑफिस पर कार्य करना सुनिश्चित करें - कलेक्टर माथुर आलीराजपुर 16 फरवरी 2026। कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में कलेक्टर श्रीमती नीतू माथुर की अध्यक्षता में साप्ताहिक समय-सीमा (टीएल) बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों की सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने अधिकारियों को लंबित प्रकरणों के शीघ्र और संतोषजनक निराकरण के निर्देश दिए। सीएम हेल्पलाइन की विभागवार समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने सभी अधिकारियों से कहा कि लंबित शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित करें तथा अपनी विभागीय ग्रेडिंग में सुधार करते हुए 'ए' ग्रेड प्राप्त करने का प्रयास करें। 'संकल्प से समाधान' अभियान की समीक्षा करते हुए उन्होंने प्राप्त आवेदनों के त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। साथ ही आगामी कलेक्टर-कमिश्नर कॉन्फ्रेंस को लेकर विस्तृत चर्चा की गई और सभी विभागों को अपने-अपने कार्यों में अपेक्षित प्रगति सुनिश्चित करने को कहा गया। ई-केवाईसी की प्रगति की समीक्षा में नगर पालिका परिषद आलीराजपुर के सीएमओ द्वारा संतोषजनक प्रगति नहीं किए जाने पर नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। साथ ही सभी जनपद पंचायत सीईओ को ई-केवाईसी कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए गए, अन्यथा संबंधितों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी गई। कलेक्टर श्रीमती माथुर ने निर्देशित किया कि सभी विभाग ई-ऑफिस प्रणाली के माध्यम से ही फाइलों का संचालन करें और शत-प्रतिशत ई-ऑफिस पर कार्य सुनिश्चित करें। खाद्यान्न वितरण की समीक्षा करते हुए उन्होंने समय पर वितरण एवं नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। बैठक में फार्मर रजिस्ट्री, स्वामित्व योजना सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर भी चर्चा कर प्रगति की समीक्षा की गई।

संकल्प से समाधान अभियान' के शिविरों में एसडीएम स्वयं व्यवस्थाएं देखें

खण्डवा

कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता ने सोमवार शाम को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक समीक्षा बैठक में संकल्प से समाधान अभियान की अब तक की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने उपस्थित सभी एसडीएम को निर्देश दिए कि अभियान के द्वितीय चरण में आयोजित होने वाले शिविरों में एसडीएम एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी स्वयं जाएं और वहां की व्यवस्थाएं देखें तथा सुनिश्चित करें कि ग्रामीणों को उनके पात्रता के अनुसार योजनाओं का लाभ मिले। बैठक में जिला पंचायत के सीईओ डॉक्टर नागार्जुन बी. गौड़ा, अपर कलेक्टर श्रीमती सृष्टि देशमुख गौड़ा, अपर कलेक्टर श्री के आर बड़ोले सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने बैठक में निर्देश दिए कि जनगणना के लिए अभी से सभी आवश्यक तैयारियां की जाएं। उन्होंने बताया कि जनगणना-2027 के तहत मई माह में सर्वे कर घरों की लिस्टिंग का कार्य शुरू हो जाएगा तथा फरवरी 2027 में घर-घर जाकर जनगणना की जानकारी एकत्र की जाएगी। उन्होंने बताया कि जनगणना के लिए 15 से 30 अप्रैल 2026 तक नागरिकों को उनकी जानकारी जनगणना पोर्टल में स्वयं ही भरने की सुविधा दी जाएगी। उन्होंने कहा कि इस बात का प्रचार प्रसार किया जाए कि जनगणना के लिए नागरिकगण अपने घर आने वाले प्रगणक को सही सही जानकारी दें, ताकि जनगणना के माध्यम से सही तथ्य एकत्र हों।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने बैठक में संकल्प से समाधान अभियान की विस्तार से समीक्षा की और निर्देश दिए कि शिविरों के आयोजन से पूर्व उनके स्थान और तिथि का व्यापक प्रचार प्रसार करें। उन्होंने कहा कि शिविर से एक दिन पूर्व गांव में मुनादी करायें, ताकि अधिक से अधिक लोग शिविर में लाभान्वित हो सकें। कलेक्टर श्री गुप्ता ने कहा कि शिविर में जो आवेदन अपात्रता के कारण अस्वीकृत किए जा रहे हैं उन आवेदकों को अपात्रता का स्पष्ट कारण बताते हुए आवेदन अस्वीकृत किया जाए। बैठक में बताया गया कि संकल्प से समाधान अभियान के पहले चरण में लगभग 80 हजार आवेदन प्राप्त हो चुके हैं, इनमें से 51650 आवेदन स्वीकृत किए जा चुके हैं।

बैठक में कलेक्टर श्री गुप्ता ने सीएम हेल्पलाइन के तहत प्राप्त शिकायतों के निराकरण की भी विस्तार से समीक्षा की और अधिकारियों को निर्देश दिए कि सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों का समय सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर श्री गुप्ता ने जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए कि आगामी शिक्षा सत्र में विद्यार्थियों के प्रवेश के साथ ही उन्हें नि:शुल्क पाठ्य पुस्तकें उपलब्ध हो जाएं, इस बात की व्यवस्था अभी से सुनिश्चित की जाए। कलेक्टर श्री गुप्ता ने अनुसूचित जाति जनजाति एवं पिछड़ा वर्ग विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसी भी छात्रावास में सीटें खाली ना रहे छात्रावास की पूरी क्षमता अनुसार विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जाए।

सिक्कों की खनक ने जीता इंदौर का दिल, 40 हजार दर्शकों का सैलाब

इंदौर। इंदौर के ऐतिहासिक गांधी हॉल में आयोजित तीन दिवसीय मनी मेला-09 का रविवार को महा-समापन हुआ। मेले के अंतिम दिन सिक्कों और प्राचीन मुद्राओं को देखने के लिए शहर का ऐसा उत्साह उमड़ा कि पिछले सभी रिकॉर्ड ध्वस्त हो गए। सुबह से रात तक करीब 40 हजार से अधिक दर्शकों ने देश-दुनिया की दुर्लभ मुद्राओं, डाक टिकटों और ऐतिहासिक दस्तावेजों के संसार को निहारा। इस दौरान सांसद शंकर लालवानी ने इंदौर की इस विरासत को सहेजने के लिए शहर में एक स्थायी मुद्रा संग्रहालय की स्थापना का वादा किया। प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए सांसद शंकर लालवानी ने कहा कि इंदौर मुद्रा शोध न्यास की मांग वाजिब है और वे केंद्र व राज्य सरकार के स्तर पर स्थायी संग्रहालय के लिए हरसंभव प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा, इतने बड़े आयोजन के लिए गांधी हॉल छोटा पड़ गया है, भविष्य में इसे किसी बड़े परिसर में आयोजित किया जाएगा। इस मौके पर न्यास प्रमुख गिरीश शर्मा आदित्य ने प्रस्तावित संग्रहालय को अपना जीवनभर का संग्रह दान करने का संकल्प लिया। मेला प्रभारी विराज भार्गव

के अनुसार, तीन दिनों के दौरान देशभर से आए संग्राहकों के बीच लाखों रुपए की दुर्लभ मुद्राओं का लेन-देन हुआ। मेले में स्कूली बच्चों से लेकर सराफा के दिग्गज व्यापारियों तक ने सिक्कों के अतीत को समझा। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म द करंसी पीडिया के राज ज्ञानी ने दर्शकों को मुद्राओं से जुड़े दिलचस्प तथ्यों की जानकारी दी और भ्रामक विज्ञापनों से बचने की सलाह दी। इस अवसर पर मेजर महेश गुप्ता, रवीन्द्र पहलवान और आलोक खादीवाला सहित कई वरिष्ठ संग्राहकों का सम्मान भी किया गया।

महाशिवरात्रि महापर्व : शिव भक्ति के उल्लास में डूबी अहिल्या नगरी

इंदौर। शंखध्वनि, डमरुओं की गूँज और हर-हर महादेव के उद्घोष के बीच रविवार को समूचा इंदौर शिवमय हो गया। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर मालवा की इस धरा पर आस्था का ऐसा ज्वार उमड़ा कि सुबह की भस्मारती से लेकर देर रात के रतजगे तक शहर का हर कोना आध्यात्मिक आभा से सराबोर रहा। कहीं 88 वर्षों की शास्त्रीय सांगीतिक परंपरा ने कानों में मिश्री घोली, तो कहीं 50 हजार से अधिक भक्तों के सैलाब ने श्रद्धा के नए कीर्तिमान रचे। प्रशासन की चाक-चौबंद व्यवस्थाओं के बीच लाखों श्रद्धालुओं ने कतारबद्ध होकर महादेव का अभिषेक किया।

शहर के पश्चिम क्षेत्र स्थित भूतेश्वर महादेव मंदिर में साधना की अनूठी मिसाल देखने को मिली। यहाँ होलकर शासनकाल से चली आ रही 88 वर्षों की परंपरा को निभाते हुए विदुषी शोभा चौधरी, ब्रजमोहन भमरेले और अन्य कलाकारों ने संगीत निशा में शास्त्रीय सुरों से महादेव की आराधना की। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने सपरिवार पूजन कर शहर की सुख-समृद्धि की कामना की। मंदिर में शास्त्रों के अनुसार चारों प्रहर की विशिष्ट पूजा हुई, जिसमें जलाभिषेक से लेकर शहद अर्पण तक के दार्शनिक महत्व को श्रद्धालुओं ने आत्मसात किया। नवलखा स्थित मनकामेश्वर कांटाफोड़ मंदिर में

श्रद्धालुओं का सैलाब इस कदर उमड़ा कि पीक ऑवर्स में व्यवस्था संभालना चुनौतीपूर्ण हो गया। माँ वैष्णो देवी की प्रतीकात्मक गुफा और रजत मंडित मंडप में दूल्हे राजा के रूप में सजे भोलेनाथ के दर्शन के लिए करीब 50 हजार लोगों ने कतार लगाई। विधायक गोलू शुक्ला की उपस्थिति में हुई आरती के बाद देर रात तक भजनों का क्रम चला और आज सोमवार तड़के महाकाल की तर्ज पर भव्य भस्मारती संपन्न हुई।

बाणगंगा क्षेत्र में संस्था नमो नवगृह द्वारा निकाली गई 22वीं राजसी सवारी ने लोक संस्कृति और अटूट आस्था का संगम प्रस्तुत किया। कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, सांसद शंकर लालवानी और विधायक गोलू शुक्ला ने भगवान की अगवानी की। आदिवासी नृत्यों, बग्घियों और कलशधारी हजारों महिलाओं के हुजूम ने मार्ग को देवलोक जैसा बना दिया। मार्ग में 100 से अधिक मंचों से पुष्पवर्षा हुई और 100 क्विंटल फलाहारी प्रसादी का वितरण निरंतर चलता रहा। विद्याधाम में 51 विद्वानों और 151 बटुकों ने फलों के रसों से महादेव का अभिषेक किया, जहाँ बर्फ से आच्छादित मंडप विशेष आकर्षण रहा। हंसदास मठ में नमक-चमक विधि से महारुद्राभिषेक हुआ और दुर्लभ शिव-परिवार प्रतिमा के दर्शन को तांता लगा रहा। गीता भवन में 5 ब्राह्मणों द्वारा किए गए अभिषेक और महिला मंडल के भजनों ने आध्यात्मिक वातावरण निर्मित किया। लादूनाथ आश्रम में नीलकंठेश्वर महादेव का भव्य पुष्प बंगला सजाया गया और 100 लीटर ठंडाई का वितरण हुआ। खजराना गणेश मंदिर में कलेक्टर शिवम वर्मा और निगमायुक्त क्षितिज सिंघल ने जिले की सुख-समृद्धि हेतु महापूजा की। ऐतिहासिक देवगुराडिया के गुटकेश्वर महादेव मंदिर में तीन दिवसीय पारंपरिक मेले का शुभारंभ मंत्री तुलसीराम सिलावट ने किया। इन्दौर प्रेस क्लब में विहिप के राष्ट्रीय महामंत्री मिलिंद परांदे ने बिल्वपत्रेश्वर महादेव की आरती की। निपानिया क्षेत्र के सोमेश्वर धाम से भोलेनाथ की भव्य बारात निकाली गई, जिसमें हजारों रहवासी सम्मिलित हुए। पंचकुइया स्थित भूतेश्वर महादेव के मुख्य पुजारी पं. हरीशानंद तिवारी के अनुसार, प्रथम प्रहर का जलाभिषेक अहंकार शमन, द्वितीय प्रहर का दुग्धाभिषेक चित्त शुद्धि, तृतीय प्रहर का घृताभिषेक तेज संवर्धन और चतुर्थ प्रहर का शहद अर्पण जीवन की पूर्णता और आनंद का प्रतीक है।

10 हजार का इनामी गांजा तस्कर गिरफ्तार, नेटवर्क का खुलासा

इंदौर। शहर में अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ छेड़े गए विशेष अभियान में इंदौर क्राइम ब्रांच को एक बड़ी कामयाबी मिली है। पुलिस ने लंबे समय से फरार चल रहे 10 हजार रू. के इनामी आरोपी मगन अखाड़े को गिरफ्तार कर तस्करी के एक बड़े सिंडिकेट का भंडाफोड़ किया है। आरोपी इस नेटवर्क का मुख्य सप्लायर बताया जा रहा है। मुखबिर की सूचना और तकनीकी निगरानी के आधार पर की गई घेराबंदी में मगन अखाड़े को दबोचा गया। आरोपी मूल रूप से देवास जिले के बागली क्षेत्र (ग्राम सिरलीबीड) का निवासी है। वह पूर्व में दर्ज मादक पदार्थ तस्करी के एक मामले में पुलिस को चकमा देकर फरार चल रहा था, जिस पर 10,000 रू. का इनाम घोषित किया गया था। क्राइम ब्रांच ने इस नेटवर्क पर कार्रवाई की शुरुआत आरोपी गोरेलाल निंगवाल की गिरफ्तारी से की थी। गोरेलाल के पास से 21 किलो 505 ग्राम उच्च गुणवत्ता वाला गांजा बरामद किया गया था, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत 8 लाख रू. आंकी गई है। पुलिस ने तस्करी में प्रयुक्त एक चारपहिया केरीयर वाहन को भी मौके से ज़ब्त किया था। पूछताछ में मगन अखाड़े का नाम मुख्य आपूर्तिकर्ता (सप्लायर) के रूप में सामने आया था। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि आरोपी मगन अखाड़े अंतर-जिला स्तर पर मादक पदार्थों की सप्लाई में सक्रिय था। क्राइम ब्रांच के वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि आरोपी से विस्तृत पूछताछ की जा रही है। इससे यह स्पष्ट हो सकेगा कि गांजे की यह खेप कहाँ से लाई जा रही थी और शहर में इसके अन्य खरीदार कौन-कौन हैं।

मैनेजर ने किया 25 लाख का गबन, केस दर्ज

इन्दौर। संघवी फूड्स डिपो के डायरेक्टर द्वारा दर्ज कराई शिकायत के बाद उसके मैनेजर रामप्रवेश द्वारा किए गए 25 लाख रुपए गबन के सनसनीखेज मामले में पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले में बताया जा रहा है कि मैनेजर दिसंबर 2025 में बीमारी का बहाना बनाकर चंद्रपुर, महाराष्ट्र चला गया था और अपना मोबाइल फोन भी उसने बंद कर लिया था। मामला विजयनगर थाना क्षेत्र का है। पुलिस के अनुसार, सी स्कीम नंबर 78 विजयनगर निवासी अशोक पटेल जो कि संघवी फूड्स डिपो के डायरेक्टर हैं। उन्होंने शिकायत दर्ज कराते पुलिस को बताया कि उनकी कंपनी की देशभर में कई इकाइयां संचालित हैं और इंदौर में सेल्स ऑफिस सिल्वर हाउस, स्कीम नंबर 74 में स्थित है। वहीं पर रामप्रवेश पुत्र बाचन राजभर, निवासी ड्रीम सिटी तलावली चांदा, वर्ष 2011 से इंदौर सेल्स यूनिट में मैनेजर पद पर कार्यरत था। उसे कंपनी के स्टॉक और सेल्स से जुड़े सभी कार्यों की जिम्मेदारी दी गई थी। जून 2025 में उसको हेड ऑफिस से अटैच किया गया।

हंसदास मठ में नमक-चमक विधि से हुआ महारुद्राभिषेक हंसेश्वर महादेव का दूल्हा स्वरूप बना आकर्षण

इंदौर। एयरपोर्ट रोड, पीलियाखाल स्थित प्राचीन हंसदास मठ पर महाशिवरात्रि का पर्व आध्यात्मिक उल्लास के साथ मनाया गया। हंस पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर स्वामी रामचरणदास महाराज एवं महामंडलेश्वर महंत पवनदास महाराज के पावन सानिध्य में काशी विश्वनाथ एवं हंसेश्वर महादेव का नमक-चमक विधि से सस्वर महारुद्राभिषेक संपन्न हुआ। प्राचीन मठ में सुबह से लेकर देर रात तक भक्तों का तांता लगा रहा।

मठ के महंत अमितदास ने बताया कि दोपहर में बाबा हंसदास द्वारा पूजित विश्वनाथ मंदिर में विधान मंडल स्थापन यज्ञ और गणेश मातृरिका पूजन के पश्चात महाआरती की गई। संध्या काल में हंसेश्वर महादेव का फूलों, सूखे मेवों और रंग-बिरंगे वस्त्रों से दूल्हे राजा के रूप में भव्य श्रृंगार किया गया। मंदिर परिसर को आकर्षक पुष्प सज्जा और विद्युत रोशनी से जगमगाया गया, जो श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। हंसदास मठ

अपनी एक अत्यंत दुर्लभ प्रतिमा के लिए प्रसिद्ध है, जहाँ शिवरात्रि पर सैकड़ों भक्तों ने शीश नवाया। इस अद्वितीय प्रतिमा में शिवजी के साथ नंदी और पार्वतीजी के साथ शेर विराजमान हैं। प्रतिमा की विशेषता यह है कि इसमें शिवजी की गोद में गणेशजी और पार्वतीजी की गोद में कार्तिकेय बैठे हुए हैं। शास्त्रों में इस स्वरूप को अत्यंत फलदायी और दर्शनीय माना गया है। दिनभर चले विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों के बाद रात्रि में भी अभिषेक और पूजन का क्रम जारी रहा। बड़ी संख्या में शिवभक्तों ने उपस्थित रहकर पुण्य लाभ लिया। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित श्रद्धालुओं को फलाहारी प्रसाद का वितरण किया गया।

संत सेवालाल जयंती : बंजारा समाज ने निकाली नगर कीर्तन यात्रा ; लिया शिक्षा और पर्यावरण रक्षा का संकल्प

इंदौर। बंजारा समाज के आराध्य संत सेवालाल महाराज की 287वीं जयंती के उपलक्ष्य में शहर में भक्ति और सामाजिक चेतना का अनूठा संगम देखने को मिला। बड़ा गणपति चौराहा से आयोजित भव्य नगर कीर्तन शोभा यात्रा में समाज के हजारों बंधुओं ने सपरिवार शामिल होकर शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण का संदेश जन-जन तक पहुँचाया। यात्रा का समापन तोपखाना स्थित गुरुद्वारा पर हुआ, जहाँ गुरु सिंह सभा द्वारा भव्य लंगर प्रसादी का आयोजन किया गया।

शोभायात्रा में सांसद शंकर लालवानी, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा एवं कांग्रेस जिलाध्यक्ष विपिन वानखेड़े सहित कई राजनेताओं ने शिरकत की। महामंडलेश्वर दादू महाराज, पूर्व विधायक सुदर्शन गुप्ता, आकाश विजयवर्गीय, शिक्षाविद स्वप्निल कोठारी और प्रीतपाल सिंह भाटिया भी

अतिथि के रूप में मौजूद रहे। आयोजन समिति के भागीरथ राठोड, भीमसिंह राठोड और बबिता बाई राठोड ने अतिथियों का आत्मीय स्वागत किया। आयोजन समिति के प्रचारक मोहन राठोड एवं प्रकाश मानावत ने बताया कि जुलूस में मुख्य रथ पर संत सेवालाल महाराज के विग्रह को विराजित किया गया था। यात्रा के दौरान समाज की बालिकाएं पारंपरिक नृत्य करते हुए चल रही थीं। मार्ग में जगह-जगह पुष्पवर्षा, फलाहार और फल वितरण कर यात्रा का स्वागत किया गया। इस दौरान राजपाल जाधव, कृपाल सिंह जाधव और पुरुषोत्तम लाखा सहित समाज के प्रबुद्धजनों ने संत सेवालाल की शिक्षाओं पर चलते हुए सामाजिक जागरूकता का आह्वान किया। यात्रा के समापन पर आयोजित सभा में राजू ज्ञानी, मांगीलाल राठोड और जितेन्द्र चौहान सहित अन्य वक्ताओं ने समाज को संगठित होने पर जोर दिया। समाज बंधुओं ने इस अवसर पर इन्दौर को नौवीं बार स्वच्छता में देश में प्रथम स्थान दिलाने में पूर्ण सहयोग करने का सामूहिक संकल्प लिया।

संपादकीय

भविष्य के जलवायु समझौतों के लिए मार्गदर्शक दस्तावेजः क्योटो प्रोटोकॉल

पर्यावरणीय दृष्टि से 16 फरवरी का दिन अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है, क्योंकि 16 फरवरी 2005 को क्योटो प्रोटोकॉल आधिकारिक रूप से लागू हुआ था, जो जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए विश्व का पहला कानूनी रूप से बाध्यकारी अंतरराष्ट्रीय समझौता था। इसे 1997 में जापान के क्योटो शहर में अपनाया गया था और यह संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन रूपरेखा अभिसमय (यूएनएफसीसीसी) के अंतर्गत बनाया गया था। इसका मुख्य उद्देश्य औद्योगिक (विकसित) देशों द्वारा ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को 1990 के स्तर की तुलना में कम करना था, ताकि वैश्विक तापमान वृद्धि को नियंत्रित किया जा सके। वास्तव में आज पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग की समस्या से प्रभावित है, जिसका प्रमुख कारण बढ़ती जनसंख्या, अंधाधुंध औद्योगिकीकरण, तेज शहरीकरण, विकास कार्यों के नाम पर पेड़ों की कटाई, जीवाश्म ईंधनों (कोयला, पेट्रोलियम, गैस) का अत्यधिक उपयोग, परिवहन, कृषि गतिविधियाँ और प्रदूषण हैं, जिनसे वातावरण में ग्रीनहाउस गैसों की मात्रा तेजी से बढ़ रही है। ग्रीनहाउस गैसों जैसे कि कार्बन डाइऑक्साइड, मीथेन, नाइट्रस ऑक्साइड, जलवाष्प तथा फ्लोरीनयुक्त गैसें आदि वायुमंडल में सूर्य की ऊष्मा को रोककर पृथ्वी का तापमान बढ़ाती हैं, जिसे ग्रीनहाउस प्रभाव कहा जाता है। नवीनतम आँकड़ों के अनुसार वर्ष 2024 में वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन लगभग 57.7 गीगाटन कार्बन डाइऑक्साइड समतुल्य तक पहुँच गया, जो अब तक का सबसे अधिक स्तर है और पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 2.3त्न अधिक है; इस अवधि में उत्सर्जन वृद्धि में भारत का योगदान सबसे अधिक रहा, हालांकि प्रति व्यक्ति उत्सर्जन अभी भी वैश्विक औसत से कम है। पाठकों को बताता चलूं कि भारत में लगभग 3 टन प्रति व्यक्ति प्रतिवर्ष, जबकि वैश्विक औसत लगभग 6.4 टन है। कुल उत्सर्जन के मामले में भारत लगभग 4 गीगाटन वार्षिक उत्सर्जन के साथ विश्व का तीसरा सबसे बड़ा उत्सर्जक है, लेकिन ऐतिहासिक योगदान विकसित देशों से कम है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार 2024 में वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड की सांद्रता लगभग 423ङ्क425 पीपीएम तक पहुँच गई, जो औद्योगिक क्रांति से पहले की तुलना में लगभग 50त्न अधिक है और जलवायु जोखिम को बढ़ा रही है। क्योटो प्रोटोकॉल की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता साझा लेकिन भिन्न जिम्मेदारी का सिद्धांत था, जिसके अनुसार ऐतिहासिक रूप से अधिक प्रदूषण करने वाले विकसित देशों पर अधिक दायित्व डाला गया, जबकि भारत और चीन जैसे विकासशील देशों को शुरुआती चरण में अनिवार्य उत्सर्जन कटौती से छूट दी गई। इस समझौते के अंतर्गत उत्सर्जन व्यापार, क्लीन डेवलपमेंट मैकेनिज्म (सीडीएम) और संयुक्त कार्यान्वयन जैसे नवाचारपूर्ण तंत्र बनाए गए, जिन्हें फ्लेक्सिबल मैकेनिज्म कहा गया और इन्हीं के माध्यम से कार्बन ट्रेडिंग की अवधारणा विकसित हुई, जिससे विकसित देश अन्य देशों में हरित परियोजनाओं या स्वच्छ तकनीक में निवेश करके कार्बन क्रेडिट खरीद सकते थे। भारत ने सीडीएम के तहत बड़ी संख्या में परियोजनाएँ विकसित कीं, जिससे तकनीकी आधुनिकीकरण, विदेशी निवेश और सर्टिफाइड एमिशन रिडक्शन (सीईआर) क्रेडिट के रूप में आर्थिक लाभ मिला तथा भारत वैश्विक कार्बन बाजार का महत्वपूर्ण भागीदार बना।

देश में घटते मेलजोल के बीच भाईचारे का परचम थामे मोहम्मद दीपक

लेखक- राम पुनियानी

भारत विविधताओं का देश है। यहां चकित कर देने वाली धार्मिक विविधताएं हैं। अंग्रेजों ने भारत की हिन्दू और मुस्लिम पहचानों का इस्तेमाल कर 'फूट डालो और राज करो' की अपनी नीति के बीज बोए। उन्होंने बार-बार अतीत की बातों को दुहराकर नफरत को हवा दी, जिसके आधार पर आगे चलकर मुस्लिम लीग और हिन्दू महासभा-आरएसएस ने इतिहास का अपना-अपना नजरिया पेश किया। इसके नतीजे में हिन्दुओं और मुसलमानों के बीच सौहार्द कम होता गया और घृणा बढ़ती गई। इस घृणा के चलते देश के विभाजन के पहले जबरदस्त हिंसा हुई। माउंटबेटन द्वारा तैयार लिए गए देश के विभाजन की योजना को स्वीकार करने की एक बड़ी वजह यह हिंसा भी थी। अमन के फरिश्ते राष्ट्रपिता को 'मुस्लिम परस्त' होने के आरोप में अपनी छाती पर तीन गोलियां झेलनी पड़ीं। विभाजन के बाद पाकिस्तान में मुस्लिम साम्प्रदायिकता ने जोर पकड़ा जिससे वहां लोकतंत्र के फलने-फूलने की संभावना समाप्त हो गई। सामाजिक और आर्थिक विकास पर इसका गंभीर दुष्प्रभाव हुआ और पाकिस्तान के प्रगति, शांति और भाईचारे पर आधारित आधुनिक राष्ट्र बनने की संभावना बहुत कम हो गई। भारत में धर्मनिरपेक्ष नेतृत्व था जिसके मुखिया जवारलाल नेहरू थे और उन्होंने एक ऐसे देश की नींव डाली जो आज से कुछ दशक पहले तक धर्मनिरपेक्ष और प्रगतिशील राष्ट्र था। आज़ादी के बाद काफी लम्बे समय तक हमने अपने मूल्यों को कायम रखा और उन्नति भी की। लेकिन पिछले कुछ दशकों में साम्प्रदायिक शक्तियां बहुत शक्तिशाली हो गईं और उन्होंने आजादी के शुरूआती चार-पांच दशकों की उपलब्धियां पर पानी फेर दिया। अमन-चैन ख़त्म हो गया। अपनी ताकत और समाज में अपनी पैठ बढ़ाने के लिए उनके पास केवल एक हथियार - मुसलमानों के खिलाफ नफरत पैदा करना। एक सच्चा लोकतंत्र बनने की राह पर चल रहे भारत को साम्प्रदायिक राष्ट्रवादी देश में बदलने के उनके अभियान के भाग बतौर उन्होंने मुख्यतः मुसलमानों और साथ ही ईसाईयों के खिलाफ नई-नयी बातें गढ़ना शुरू कर दीं। अब हालात काफी निराशाजनक हो चुके हैं। समाज में मुसलमानों के खिलाफ नफरत का माहौल बन गया है जो हर बीतते दिन के साथ और गंभीर होता जा रहा है। हिन्दू साम्प्रदायिक तत्वों ने देश में ऐसे हालात बना दिए हैं कि मुसलमानों का सारे समाज से कटकर अपने अलग मोहल्लों में रहना आम बात हो गई है। शाकाहार पर जोर दिया जा रहा है और लव जिहाद, लैंड जिहाद, कोरोना जिहाद आदि आम बोलचाल के शब्द बन गए हैं। शीर्ष नेतृत्व से लेकर मैदानी कार्यकर्ता तक इस घृणा के जरिए हिंसा फैलाते हैं जिसके नतीजे में समाज का ध्रुवीकरण होता जा रहा है। शीर्ष नेतृत्व बंटेगे तो कटेंगे, एक हैं तो सेफ हैं, उन्हें उनके कपड़ों से पहचाना जा सकता है, उनकी संख्या खरगोशों की तरह बढ़ रही है, हिंदू अल्पसंख्यक हो जाएंगे, हिन्दू खतरे में हैं, आदि और इसके जैसे बहुत से अन्य नारे उछालता रहता है। असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा सरमा, जो पहले कांग्रेस में थे और पिछले कुछ सालों से भाजपा में हैं, ने मियांओं (बांग्लाभाषी मुसलमानों) के खिलाफ इतनी नफरत-भरे वक्तव्य दिए हैं जैसे पहले कभी नहीं सुने गए थे। गत 27 जनवरी (2026) को उन्होंने कहा एसआईआर के ज़रिये चार से पांच लाख मियांओं के नाम मतदाता सूचियों से हटा दिए जाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि वोट चोरी का मतलब है हम कुछ मियां वोटों को चुराने की कोशिश कर रहे हैं और यह भी कि आदर्श स्थिति तो यह होगी कि उन्हें असम में मतदान न करने दिया जाए और वे बांग्लादेश में वोट दें। समाचार माध्यमों की खबरों के मुताबिक सरमा ने जनता को खुलेआम भड़काते हुए कहा उन्हें जिस भी तरह से परेशान किया जा सकता है, किया जाना चाहिए। अगर रिक्शे का किराया 5 रू। हो तो उन्हें 4 रू। दो। जब उनके लिए असम में रहना कष्टप्रद होगा तभी वे असम छोड़कर जाएंगे। ये सब कहने के बाद उन्होंने सबसे घृणित कार्य करते हुए एक वीडियो ट्वीट किया जिसमें यह दिखाया गया था कि वे राईफल से गोलियां दाग रहे हैं और गोलियां उनसे थोड़ी सी दूरी पर खड़े गोल टोपी पहने एक आदमी और एक लड़के को लग रही हैं। हालांकि अब इस ट्वीट को डिलीट कर दिया गया है। यह सब देखने के बाद प्रख्यात मानवाधिकार कार्यकर्ता और लेखक हर्ष मंदर ने असम निवासी बांग्लाभाषी मुसलमानों के प्रति नफरत, प्रताड़ना और भेदभाव बढ़ाने के उद्धेश्य से नफरत फैलाने वाली करने के लिए उनके खिलाफ न्यायालय में एक याचिका दायर की। याचिका में उन्होंने असम के मुख्यमंत्री के खिलाफ त्वरित कार्यवाही और भारतीय न्याय संहिता, 2023 की सम्बंधित धाराओं के अंतर्गत एफआईआर दर्ज करने का अनुरोध किया। इसकी प्रतिक्रिया में सरमा ने कहा कि वे एनआरसी के दौरान हर्षमंदर द्वारा मुसलमानों की मदद किए जाने का आरोप लगाते हुए उनके खिलाफ अनेक एफआईआर दर्ज करवाएंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि उन्हें जेल भेजा जाए। सवाल उठता है कि हमारे देश में सदियों से कायम सामंजस्यपूर्ण संस्कृति कहां गई जिसमें असम के अजान पीर और शंकर देव सद्भाव की बात करते थे और असम में ही रहते थे? खान-पान, साहित्य, वास्तुकला और धार्मिक उत्सवों आदि क्षेत्रों में हिंदुओं और मुसलमानों के एक दूसरे पर प्रभाव का क्या हुआ? वर्तमान हालातों को देखकर बहुत निराशा और मायूसी महसूस होती है। इस सबके बीच उत्तराखंड के कोटद्वार की घटना सामने आई है। वहां एक बुजुर्ग मुसलमान पिछले 30 साल से बाबा स्कूल ड्रेस नाम की दुकान चला रहे थे। बजरंग दल के कार्यकर्ता उसकी दुकान पर आ धमके और उससे कहा कि वह अपनी दुकान के नाम में बाबा शब्द का इस्तेमाल नहीं कर सकता क्योंकि उनके मुताबिक बाबा एक हिंदू शब्द है। यह सब देखकर दीपक कुमार नामक एक व्यक्ति ने हस्तक्षेप किया। जब दीपक बजरंग दल के आक्रामक कार्यकर्ताओं का सामना कर रहे थे, उस दौरान पुलिस मूक दर्शक बनी रही और बाद में पुलिस ने दीपक कुमार और उनके मित्र के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली। बजरंग दल कार्यकर्ताओं के खिलाफ जो एफआईआर दायर की गई है उसमें आरोपियों के नाम अज्ञात बताये गए हैं। मगर इस सारे घटनाक्रमका सबसे उजला पक्ष यह है कि जब हमलावर बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने दीपक से उसका नाम पुछा तो उसने जवाब था-मुहम्मद दीपक इस घटना से बहुत सी उम्मीदें जागती हैं। यह आशा जागती है कि हिन्दू राष्ट्रवाद के समर्थकों द्वारा पैदा किए गए नफरत के सैलाब में इंसानियत पूरी तरह नष्ट नहीं हुई है। दीपक हिन्दुओं और मुसलमानों के प्रगाढ़ रिश्तों का जीता-जागता उदाहरण हैं, जो पहले आम बात थी मगर आज अपवाद बन चुका है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

भारत बना दुनिया का सबसे बड़ा एआई कैपिटल?

लेखक- सनत जैन

भारत की राजधानी दिल्ली में सोमवार को दुनिया की सबसे बड़ी एआई समिट का आयोजन शुरु हो गया है। यह आयोजन 5 दिन तक चलेगा। इस समिट में शामिल होने के लिए दुनिया भर के 100 से अधिक कंपनियों के सीईओ, 20 राष्ट्राध्यक्ष तथा 135 देश के डेलिकेट शामिल हो रहे हैं। इस समिट में भारत की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके कई मंत्री शामिल होने जा रहे हैं। अभी तक जो जानकारी मिल रही है, उसके अनुसार तीन लाख से अधिक लोगों ने समिट में आने के लिए पंजीयन कराया है। एआई का उपयोग बड़े पैमाने पर हेल्थ, कृषि और शिक्षा के क्षेत्र में होने जा रहा है। इसके अलावा सर्विस सेक्टर में भी एआई तकनीकी पर आधारित रोबोट इत्यादि भी बड़े पैमाने पर अगले कुछ वर्षों में देखने को मिलेंगे। एआई तकनीकी के माध्यम से दुनिया एक नए बदलाव की दिशा की ओर आगे बढ़ती हुई दिख रही है। इसके परिणाम अच्छे होंगे, या बुरे यह कहना मुश्किल है। जिस तरह से 1993 में वैश्विक व्यापार संधि के माध्यम से सारी दुनिया में एक आर्थिक क्रांति की लहर पैदा की गई थी। कर्ज लेकर विकास करने और खर्च करने की नई प्रवृत्ति दुनिया के देशों और उनके नागरिकों के बीच में फैलाई गई। एक नये बाजारबाद की परिकल्पना को साकार किया गया। दुनिया के सभी देशों ने कर्ज लिया विकास की दौड़ में शामिल हो गए। वहीं आम नागरिकों को भी बैंकों और एनएफसी कंपनियों के माध्यम से कर्ज देकर उन्हें बाजारबाद की ओर धकेला गया। आज उसके दुष्परिणाम सारी दुनिया के देशों में देखने को मिल रहे हैं। सभी देशों की सरकारें भारी कर्ज से लदी हुई हैं। संस्थाओं के ऊपर भी भारी कर्ज हैं। इसी तरीके से दुनियाभर के आम नागरिक भी कर्ज के बोझ से दबे हुए हैं। ब्याज और किस्त का बोझ लगातार बढ़ता चला गया। विकास की जो परिकल्पना की गई थी, उसमें अब कुठाराघात होना शुरू हो गया है। सारा विश्व उधार की अर्थव्यवस्था को लेकर संकट में आ गया है। महंगाई और बेरोजगारी के कारण आम आदमी का जीवन दूभर हो गया है। इसी दौर में एआई और डिजिटल तकनीकी के माध्यम से जो नए-नए प्रयोग किये जा रहे हैं, इसके सुखद परिणाम या दुष्परिणाम होंगे, इसकी चर्चा नहीं हो रही है। दुनिया के सभी देशों में एआई को लेकर बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हैं। क्लासरूम स्मार्ट होंगे, यहां पर शिक्षकों की जरूरत नहीं होगी। स्मार्ट क्लासों में डिजिटल उपकरण और एआई की सहायता से स्कूलों और कॉलेज में बच्चों को पढ़ाया जाएगा। इसी तरह कृषि के क्षेत्र में जिन कामों के लिए भारी संख्या में मजदूरों को लगाया जाता था, उस काम को अब बहुत कम समय में डिजिटल और एआई तकनीकी की मशीनों के माध्यम से किया जाएगा। रही सही कसर सर्विस क्षेत्र में जिस तरह से रोबोट, अब मानवों का स्थान लेते चले जा रहे हैं, ऐसी स्थिति में जब यह तकनीकी अपने शबाब पर होगी, तो लोगों को कैसे रोजगार या मजदूरी से जोड़ा जा सकेगा, इसको लेकर कहीं कोई चर्चा नहीं हो रही है।

अभी एआई तकनीकी का आगमन पूरी तरह से नहीं हुआ है। इसके बाद भी भारत सहित दुनिया के अधिकांश देश बेरोजगारी और महंगाई जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं। लोगों के ऊपर कर्ज है, उनकी क्रय शक्ति लगातार घटती चली जा रही है। ऐसी स्थिति में यदि उन्हें रोजगार भी नहीं मिलेगा, तो सामाजिक व्यवस्था को कैसे नियंत्रित किया जा सकेगा। इस पर कोई चर्चा कहीं पर भी नहीं हो रही है। सभी जगह एआई से जुड़ी तकनीकि के माध्यम से कौशल और प्रशिक्षण को बढ़ाने की बात की जा रही है। सभी क्षेत्रों को तकनीकी से जोड़ा जा रहा है। शिक्षा, स्वास्थ्य और कृषि जैसे क्षेत्रों में जहां पर बड़े पैमाने पर मानव संसाधन का उपयोग होता है। सर्विस के क्षेत्र में भारत सहित दुनियाभर के करोड़ों लोगों को रोजगार मिलता था। अब उन सारे कामों के लिए एआई तकनीकी डिजिटल मशीनी उपकरणों द्वारा काम कराया जाएगा। ऐसी स्थिति में जो मानव प्रजाति होगी, उसका गुजारा किस तरह से होगा, इस विषय पर दुनिया के किसी भी देश में कोई चर्चा नहीं हो रही है। 1993 में वैश्विक व्यापार संधि के तहत उधार की आर्थिक व्यवस्था का जो खेल विश्वव्यापी खेला गया था, उसमें अमीर और अमीर होते चले गए, गरीब और गरीब होते चले गए। इसका लाभ गिने चुने पूंजीपतियों को मिला। जिसके कारण दुनिया के सभी देश वर्तमान में महंगाई बेरोजगारी और अन्य समस्याओं के कारण अपनी ही जनता के साथ लड़ते हुए दिख रहे हैं। अब एआई का जो नया शिगुफा आया है वह दुनिया की सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक व्यवस्था में किस तरह का असर डालेगा, इसकी चिंता किसी को नहीं है। लगता है कि हम एक बार फिर आदम युग की ओर आगे बढ़ रहे हैं। जहां पर अपने अलावा और किसी के अस्तित्व की नहीं सोचते हैं। सामाजिक एवं मानवीय विकास के लिए अब हमारी कोई प्रतिबद्धता और नैतिकता नहीं बची है। आर्थिक और भौतिक संसाधनों ने हमें मशीनों की तरह असंवेदनशील बना दिया है। समय के साथ परिवर्तन होते हैं, परिवर्तन के साथ समन्वय बनाए रखना जरूरी होता है। जिस तरह से एआई को लेकर बिना सोचे-समझे सारी दुनिया आगे बढ़ रही हैं, इस दिशा में चिंतन की जरूरत है। भारत के संदर्भ में सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक दृष्टिकोण को ध्यान में रखा जाना चाहिये। यदि हम एआई तकनीकी के पीछे भागकर अन्य कारणों को उपेक्षित करेंगे, तो आगे चलकर बहुत बड़ी मुसीबत आ सकती है। भारत सरकार को इस दिशा में विचार-विमर्श करने के बाद ही निर्णय लेने की जरूरत है। सामाजिक, आर्थिक एवं प्रशासनिक व्यवस्था में एआई का उतना ही उपयोग किया जाना चाहिए, जो देश के लिए वर्तमान संदर्भ में जरूरी हो।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

श्री रविशंकर की पावन उपस्थिति में महाशिवरात्रि पर आस्था का सागर उमड़ पड़ा

बेंगलुरु

कल्पना करें, एक ही आकाश के नीचे, एक ही चेतना में डूबे दस लाख से अधिक श्रद्धालु; चारों ओर गहन निस्तब्धता, और उस मौन के मध्य विश्वविख्यात आध्यात्मिक मार्गदर्शक गुरुदेव श्री श्री रविशंकर की दिव्य आभा में सम्पन्न होती एक अत्यंत प्रभावशाली ध्यान-साधना। पावन महाशिवरात्रि की इस रात्रि में यह दृश्य मानो अलौकिक अनुभूति का साक्षात रूप बन गया।

आर्ट ऑफ लिविंग के अंतर्राष्ट्रीय केंद्र में आयोजित इस भव्य महोत्सव के समापन के साथ ही श्रद्धालु अपने साथ एक अविस्मरणीय, आत्मानुभूति से परिपूर्ण संध्या की स्मृतियाँ लेकर लौटे; जहाँ आत्मा को स्पंदित कर देने वाला संगीत, गुरुदेव के सान्निध्य में रूपांतरकारी ध्यान-सत्र तथा वैदिक अनुष्ठानों की मंगलध्वनियाँ वातावरण को पवित्रता, आनंद और उत्सवमयी चेतना से भर रही थीं।

इस अवसर पर गुरुदेव ने कहा, महाशिवरात्रि वह अवसर है जब आत्मा भौतिक जगत से ऊपर उठकर किसी सूक्ष्म, दिव्य लोक का स्पर्श करती है। शिव प्रत्येक कण में विद्यमान हैं। हमारी चेतना का स्वभाव ही शिव है। शिव में निमग्न होना भक्ति है, और प्रत्येक में शिव को देखना सेवा है। जो अविनाशी है, वह हमारे भीतर ही है। यदि हमें इतना भी विश्वास हो जाए, तो जीवन में किसी अभाव का स्थान नहीं रहता। कहा जाता है कि जो प्रेम और श्रद्धा से शिवरात्रि का अनुष्ठान करता है, उसकी सभी कामनाएँ स्वयं ही पूर्ण हो जाती हैं।महाकाल की अभिव्यक्ति पर उन्होंने कहा, वह योगियों के हृदय में ज्योति बनकर प्रकाशित होते हैं।

संध्या का केन्द्रीय आकर्षण, शिव के कल्याणकारी स्वरूप भगवान रुद्र, को समर्पित एक शक्तिशाली वैदिक अनुष्ठान, पावन रुद्र पूजा था। श्री रुद्रम के प्राचीन वैदिक मंत्रों पर आधारित यह पूजा शिव की रूपांतरणकारी ऊर्जा का आह्वान करती है, जो नकारात्मकता के क्षय और उच्चतर चेतना के जागरण का प्रतीक है। मान्यता है कि यह अनुष्ठान वातावरण को शुद्ध करके सामूहिक चेतना को उन्नत करता है तथा समाज में शांति, समृद्धि और मंगल का संचार करता है। यह रुद्र पूजा भारत सहित कनाडा, दुबई, जर्मनी और विश्व के 150 से अधिक अन्य स्थलों पर भी एक साथ संपन्न हुई। आश्रम में इस वर्ष का उत्सव विशेष रूप से ऐतिहासिक बन गया, क्योंकि श्रद्धालुओं को हाल ही में प्राप्त मूल सोमनाथ ज्योतिर्लिंग के प्राचीन अवशेषों के दुर्लभ दर्शन का सौभाग्य मिला। माना जाता है कि 1026 ईस्वी में महमूद गजनी के आक्रमण में यह ज्योतिर्लिंग ध्वस्त कर दिया गया था। रुद्रम के मंत्रोच्चार, वैदिक विधानों और भक्तिमय संगीत की स्वर-लहरियों के मध्य ब्राज़ील, अर्जेंटीना, वेनेजुएला, मलेशिया, थाईलैंड, बुल्गारिया, अरब देशों, चीन तथा यूरोप, दक्षिण-पूर्व एशिया और मध्य-पूर्व के अनेक राष्ट्रों से आए श्रद्धालु एक ही चेतना में बंधकर नृत्य, गान और ध्यान में लीन हो उठे।

नीदरलैंड्स से पहली बार आश्रम आई 80 वर्षीय आर्ट ऑफ लिविंग शिक्षिका अंकेई ने कहा, यहाँ का वातावरण अत्यंत आनंदमय है। लोग अत्यंत सौम्य, सुंदर और सहृदय हैं। जब मैंने गुरुदेव को पूजा के लिए आते देखा, तो मेरी आँखें अश्रुपूर्ण हो गईं। वह क्षण मेरे लिए अत्यंत पूर्णता और हर्ष से भरा था। रूस से आई ओल्गा, जो पिछले 20 वर्षों से आर्ट ऑफ लिविंग से जुड़ी हैं, ने कहा, यहाँ आना घर लौटने जैसा है। मैं यहाँ से ऊर्जा और शांति लेकर जा रही हूँ और अपने देश में भी यही आनंद बाँटूँगी।डच नागरिक इसाबेल ने साझा किया, मुझे यहाँ सब कुछ अद्भुत लग रहा है। वातावरण भक्ति और ऊर्जा से स्पंदित है—वनस्पतियाँ, पशु-पक्षी, संगीत और गुरुदेव की उपस्थिति—सब मिलकर एक अलौकिक अनुभूति रचते हैं।दिन भर में तीन लाख से अधिक श्रद्धालुओं को महाप्रसाद परोसा गया, जिसकी तैयारी के लिए 15 टन से अधिक सब्ज़ियों का उपयोग हुआ और हजारों स्वयंसेवकों ने सेवा-भाव से योगदान दिया। आश्रम में इस पावन अवसर पर वैदिक रीति से अनेक विवाह संस्कार भी गुरुदेव की उपस्थिति में सम्पन्न हुए।

भारतीय जैन मिलन क्षेत्र 10 का वार्षिक क्षेत्रीय अधिवेशन संपन्न

सागर

भारतीय जैन मिलन क्षेत्र क्र.10 का वार्षिक क्षेत्रीय अधिवेशन महाकवि पद्माकर सभागृह मोतीनगर में,मुख्य अतिथि मा. शैलेन्द्र जैन विधायक सागर,समारोह गौरव वीर अजय जैन राष्ट्रीय महामंत्री सहारनपुर, वीर नरेश चंद्र जैन राष्ट्रीय मुख्य कार्य. अध्यक्ष देहरादून, वीर नरेंद्र चंद्र जैन राजकमल बडौत ,राष्ट्रीय कार्य. अध्यक्ष, वीर महेश जैन विलहरा संरक्षक जैन पंचायत सागर , वीर एड. कमलेन्द्र जैन राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष, अध्यक्षता क्षेत्रीय अध्यक्ष वीर अरुण चंदेरिया ने की।

कार्यक्रम के प्रारंभ में ध्वजारोहण, शाखों द्वारा बैनर प्रेजेंटेशन के साथ कार्यक्रम स्थल तक सभी शाखों ने अपनी झांकियां के साथ प्रवेश किया। कार्यक्रम का प्रारंभ में मंगलाचरण,महावीर प्रार्थना से हुआ, मंच उद्घाटन चौधरी नितिन जैन करैया, चित्रावरण कपिल मलैया, इंजी. महेश जैन एसडीओ,दीपप्रज्वलन राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आर.के जैन दमोह, क्षेत्रीय कोषाध्यक्ष प्रमोद जैन भाईजी ने किया। मंचासीन अतिथियों का सम्मान शाल श्रीफल स्मृति चिन्ह द्वारा किया गया।स्वागत भाषण सुरेंद्र जैन बहरोल ने दिया,क्षेत्रीय वार्षिक रिपोर्ट क्षेत्रीय अध्यक्ष द्वारा प्रस्तुत की गई। शाखाओं द्वारा संस्कृतिक प्रतुस्थितियां, श्रेष्ठ अध्यक्ष/ मंत्री सम्मान,शाखों का सम्मान, जिसमें जैन मिलन मकरोनिया को सर्वश्रेष्ठ शाखा का अवार्ड प्राप्त हुआ। राष्ट्रीय समिति द्वारा प्रश्नोत्तरी के तीन पुरस्कार जिसमें प्रथम जिनेश बहरोल, रविंद्र जैन को प्राप्त हुए। प्रतियोगिता का ड्रा निकल गया जिसमें प्रथम, द्वितीय, तृतीय,एवं 30 सात्तना पुरस्कार दिए गए। कार्यक्रम का संचालन क्षेत्रीय मंत्री वीरांगना कविता जैन, वीरांगना अंजू जैन ने किया।आभार सुरेंद्र जैन बहरोल ने माना।कार्यक्रम मुख्य अतिथि मा.विधायक शैलेंद्र जैन ने कहा कि भारतीय जैन मिलन द्वारा किए गए कार्यों से निश्चित ही समाज में जागृति आती हैं, उनके सभी कार्य सराहनीय हैं। क्षेत्र 10 प्रभारी एवं राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष वीर कमलेन्द्र जैन ने कहा जैन धर्म में अनेक पंथ परंपराऐ हैं लेकिन भारतीय जैन मिलन सभी पंथ परंपराओं के समन्वय का कार्य करता हैं। भारत में 1450 एवं सात अन्य देशों में इसकी शाखाएं हैं जो जैन धर्म की प्रभावना का कार्य कर रही हैं कार्यक्रम में पधारे राष्ट्रीय पदाधिकारीओं ने भी इस आयोजन कि सराहना की।

कार्यक्रम में क्षेत्र की 51 शाखाएं सम्मिलित हुई। मुख्य रूप से संजय जैन शक्कर, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष वीर दिलेश जैन,मनीष विद्यार्थी, मंजू सतभैया, मुख्य संयोजक जिनेश जैन डब्बू, ऋषभ जैन स्टेशन मास्टर, विमल सतभैया उपस्थित रहें।

अजमेर - बान्द्रा टर्मिनस एक्सप्रेस समय में आंशिक बदलाव

रतलाम। पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल से गुजरने वाली अजमेर – बान्द्रा टर्मिनस एक्सप्रेस का भरुच स्टेशन पर आगमन/प्रस्थान समय में आंशिक परिवर्तन किया गया है। पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के जनसंपर्क अधिकारी श्री मुकेश कुमार द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार गाड़ी संख्या 12996 अजमेरङ्कबांद्रा टर्मिनस एक्सप्रेस का 17 फरवरी, 2026 से भरूच स्टेशन पर आगमन 08.55 बजे एवं प्रस्थान 08.57 बजे होगा। यात्रीगण कृपया कोच एवं ट्रेन संचालन संबंधी नवीनतम जानकारी के लिए वेबसाइट, रेल मदद ऐप अथवा 139 रेल मदद नंबर का उपयोग करें।

शासकीय कन्या माध्यमिक विद्यालय रंगवासा में वार्षिकोत्सव संपन्न

इंदौर। विद्यालय परिवार द्वारा कक्षा 8 वि की बालिकाओं का को एक रंगारंग कार्यक्रम में विदाई दी गई .कार्यक्रम में श्री मुकेश पारे एवं श्री राकेश दीक्षित द्वारा प्रति वर्षा अनुसार बालिकाओं को कम्पास बॉक्स वितरित किए कार्यक्रम में प्रधान अध्यापक जगन्नाथ परमार, शिक्षक ललित नागपाल, साधना अभ्यंकर,कविता डाबि,सविता सुले, भावना शर्मा, ममता दुबे, हेमलता राठौर,मनीषा सूर्यवंशी उपस्थित रहें.

1962 चलित पशु चिकित्सा इकाई बनी संजीवनी, समय पर उपचार से बची गाय की जान

विदिशा। शासन द्वारा संचालित 1962 चलित पशु चिकित्सा इकाई ग्रामीण क्षेत्रों में पशुपालकों के लिए जीवनदायिनी सेवा साबित हो रही है। इसका एक प्रेरणादायक उदाहरण कुरवाई विकासखंड के ग्राम झुनावटी में सामने आया, जहां समय पर मिली चिकित्सा सहायता से एक गंभीर रूप से बीमार गाय की जान बचाई जा सकी।

ग्राम झुनावटी निवासी श्रीमती कल्लो बाई अहिरवार के लिए एक दिन बेहद चिंताजनक बन गया, जब उनकी गाय अचानक गंभीर रूप से बीमार हो गई। स्थिति इतनी गंभीर थी कि पशु के जीवन पर खतरा मंडरा रहा था। ऐसे संकट की घड़ी में उन्हें शासन की 1962 चलित पशु चिकित्सा इकाई सेवा के बारे में जानकारी मिली। श्रीमती कल्लो बाई ने तुरंत टोल-फ्री नंबर 1962 पर कॉल कर अपने पशु की स्थिति की जानकारी दी। कॉल सेंटर में उनके पशु का विवरण दर्ज किया गया और लक्षणों के आधार पर तुरंत केस दर्ज कर चलित पशु चिकित्सा इकाई को सूचित किया गया। कुछ ही देर में इकाई प्रभारी ने स्वयं संपर्क कर आश्वस्त किया कि शीघ्र ही उपचार उपलब्ध कराया जाएगा।

विश्वास और उम्मीद के बीच महज 30 मिनट के भीतर पशु चिकित्सा दल उनके घर पहुंच गया। जांच के दौरान चिकित्सकों ने पाया कि गाय डिस्टोकिया (प्रसव संबंधी जटिलता) से पीड़ित है। टीम ने तत्परता और दक्षता से उपचार करते हुए मृत बछड़े को बाहर निकाला और गाय की जान बचा ली। उपचार के बाद निर्धारित शुल्क 150 रुपये ऑनलाइन माध्यम से जमा किया गया तथा संबंधित ओटीपी के माध्यम से उपचार प्रक्रिया पूर्ण की गई। श्रीमती कल्लो बाई ने इस सेवा के प्रति संतोष व्यक्त करते हुए बताया कि यदि समय पर उपचार नहीं मिलता तो उनकी गाय को बचा पाना संभव नहीं था। उन्होंने कहा कि शासन की इस पहल ने न केवल उनके पशु को नया जीवन दिया, बल्कि ग्रामीण पशुपालकों में यह विश्वास भी मजबूत किया है कि अब पशु चिकित्सा सेवाएं उनके घर तक उपलब्ध हैं।

परम्परागत फसलों की जगह टमाटर की खेती करने से हुआ अधिक मुनाफा

रायसेन। रायसेन जिले के बेगमगंज विकासखण्ड के ग्राम भुरेरू के किसान श्री ओमप्रकाश कुशवाह ने पारम्परिक खेती से हटकर उद्यानिकी फसल को अपनाया और कम समय में अधिक मुनाफा कमाकर क्षेत्र के किसानों के लिए प्रेरणा स्त्रोत बने हैं। प्रगतिशील किसान श्री ओमप्रकाश कुशवाह ने उद्यानिकी विभाग की योजना का लाभ लेकर डेढ़ एकड़ जमीन में टमाटर की खेती की! जिसमें उन्नत किस्म के बीज, मल्ंिचग और ड्रिप सिंचाई तकनीक का उपयोग किया। टमाटर की खेती से ओमप्रकाश कुशवाह को लगभग चार से पांच लाख रू का लाभ हुआ। किसान श्री ओमप्रकाश कुशवाह ने बताया कि पहले वह गेहूँ, सोयाबीन जैसी पारम्परिक फसलों की खेती करते थे, जिसमें दस से पन्द्रह क्विटंल प्रति एकड़ का ही उत्पादन होता था और बहुत लाभ भी बहुत होता था। वह खेती में कुछ अलग करना चाहते थे, जिसमें कम लागत में अधिक मुनाफा हो। उन्होंने उद्यानिकी विभाग के उद्यान विस्तार अधिकारी श्री अमाशंकर कुशवाह से सम्पर्क किया और विभाग की योजनाओं तथा उद्यानिकी फसलों की जानकारी ली। इसके बाद उन्होंने टमाटर की खेती करने का निर्णय लिया तथा डेढ़ एकड़ जमीन पर टमाटर की फसल उन्नत तकनीक मल्चिंग और ड्रिप द्वारा लगाई। ओमप्रकाश ने बताया कि उन्होंने टमाटर की खेती में उन्नत बीज और तकनीक का उपयोग किया तथा अच्छी तरह से देखभाल की। जिसके कारण उनकी फसल बहुत अच्छी हुई और उन्हें लगभग 350 क्विंटल टमाटर का उत्पादन मिला। जिसे मंडी में बेचने से उन्हें लगभग 06 लाख रू की आय हुई। इसमें लागत के लगभग डेढ़ लाख रू निकालने के बाद साढ़े चार लाख रू का लाभ हुआ। वह परिवार के साथ काफी समय से खेती कर रहे हैं लेकिन इतना लाभ कभी नहीं हुआ। इसके लिए वह प्रदेश सरकार के मुखिया डॉ मोहन यादव तथा उद्यानिकी विभाग को धन्यवाद देते हुए कहते हैं, सरकार द्वारा किसानों के हित में, उनकी आय बढ़ाने के लिए अनेक योजनाएं चलाई जा रही हैं। जिनका लाभ लेकर किसान अपनी आय बढ़ा सकते हैं। उन्होंने बताया कि अब वह टमाटर के साथ अन्य सब्जियों की खेती भी कर रहे हैं।

कलेक्टर शिवम वर्मा शहर के नशे के अड्डों पर सख्त, युवाओं को बचाने के लिए नई पहल

इंदौर। आदित्य शर्मा

जिला कलेक्टर शिवम वर्मा ने शहर में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति को गंभीरता से लेते हुए कठोर रुख अपनाया है। युवाओं को नशे से दूर रखने के उद्देश्य से कलेक्टर कार्यालय में शहर के विभिन्न शिक्षण संस्थानों के संचालकों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में विद्यालय स्तर से लेकर उच्च कक्षाओं तक अध्ययनरत विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों से बचाने तथा शिक्षण संस्थानों में सकारात्मक वातावरण निर्मित करने पर विस्तृत चर्चा की गई। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि अब इस विषय में केवल चर्चा नहीं, बल्कि धरातल पर प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। युवाओं के भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए व्यापक अभियान चलाया जाएगा। बैठक में यारियां मित्र मंडल के अंतर्गत कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए — नि:शुल्क दूरभाष क्रमांक 14416 जारी किया गया है। इस क्रमांक पर कोई भी नागरिक नशे से संबंधित सूचना अथवा सहायता के लिए संपर्क कर सकता है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा नियमित अनुश्रवण किया जाएगा, जिससे नशे की प्रवृत्ति पर सतत निगरानी बनी रहे। परामर्शदाताओं की व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई है, जो विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करेंगे। जिला चिकित्सालय में विशेष परामर्श कक्ष में उपचार की सुविधा उपलब्ध रहेगी। सहायता के लिए दूरभाष क्रमांक 07552840621 पर संपर्क किया जा सकता है। जिला प्रशासन द्वारा आवश्यक सहयोग प्रदान किया जाएगा तथा आवश्यकतानुसार पुलिस विभाग की भी सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। कलेक्टर ने कहा कि नशा केवल व्यक्ति नहीं, बल्कि पूरे समाज को प्रभावित करता है। अत: सभी नागरिकों, शिक्षण संस्थानों और अभिभावकों को मिलकर इस अभियान को सफल बनाना होगा। प्रशासन का उद्देश्य है कि इंदौर को नशामुक्त और स्वस्थ युवा शक्ति वाला शहर बनाया जाए।

गलत इलाज से महिला की मौत

इंदौर। खातीवाला टैंक में स्थित क्लिनिक में गलत इलाज से महिला की मौत और फर्जी डिग्री मामले में पुलिस ने जांच के बाद डाक्टर ज्ञान एस पंजवानी और असिस्टेंट कते खिलाफ विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर लिया। इधर महिला की मौत से आक्रोशित परिजनों ने जमकर हंगामा भी किया जिसके बाद क्लिनिक को सील कर दिया गया। थाना जूनी इंदौर पुलिस के मुताबिक पिछले दिनों मंजू चौहान पति आत्माराम चौहान(40) निवासी मार्तण्ड नगरर बिजलपुर की खातीवाला टैंक स्थित हर्ष क्लीनिक में उपचार के बाद और हालत बिगडने के बाद निजी अस्पताल में मौत हो गई थी। महिला मनोरोगी थी। पुलिस ने फरियादी रोहन चौहान की शिकायत पर जांच के बाद आरोपी डाक्टर ज्ञान एस पंजवानी निवासी हर्ष क्लीनिक खातीवाला टैंक और औषधि वितरण/सहायकक श्रीचंद पिता साबूमल बागेजा के खिलाफ चिकित्सा शिक्षा संस्था (नियंत्रण) अधिनियम मप्र अयुर्विज्ञान परिषद अधिनियम और बीएनएस की धाराओं में केस दर्ज कर लिया। पुलिस के मुताबिक जांच में पाया गया कि डाक्टर ज्ञान एस पंजवानी के द्वारा श्रीचंद बागेचा को उक्त संस्था में उनके निर्देशानुसार औषधि वितरण/सहायक के कार्य के लिए अधिकृत किया था परंतु श्रीचंद बागेचा के पास नियमानुसार औषधि वितरण की कोई मान्य योग्यता या फार्मेसी की डिग्री या डिप्लोमा नहीं पाया गया।

रिहैब सेंटर में इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी के डायेरक्टर की हार्ट अटैक से मौत

इंदौर।

लसूडिया थाना इलाके के महालक्ष्मी नगर स्थित रिहैब सेंटर नशा मुक्ति केंद्र में एक इंफ्रास्ट्रक्चर कपंनी के डायरेक्टरर की सेंटर पहुंचने के दो घंटे बाद सीने में दर्द के बाद मौत हो गई। हार्ट अटैक से मौत होने की बात सामने आई है। बताया जा रहा है कि वे काम के तनाव के चलते डिप्रेशन में थे और खुद ही उपचार कारने पहुंचे थे। पुलिस के मुताबिक मृतक का नाम आयोग पिता रामकुमार पटेरिया (50) निवासी शालीमार सुखलिया है। उनके पिता रामकुमार पटेरया मध्यप्रदेश शासन के वरिष्ठ अधिकारी रह चुके हैं। वे बैतूल में रहते हैं। परिजन और दोस्तों के अनुसार आयोग पिछले कुछ समय से तनाव के कारण परेशान थे। परिवार से चर्चा करने के बाद ही वे महालक्ष्मीनगर स्थित रिहैब सेंटर पहुंचे थे. इसके करीब दो घंटे बाद अचानक तबीयत बिगड़ी तो उन्हें अस्पताल ले जाया गया जहां डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस मर्ग कायम कर मामले की जांच कर रही है।

पुताई के दौरान गिरने से पेंटर की मौत

लसूडिया इलाके में एक मकान में दीवार की पुताई के दौरान गिरने से पेंटर की हुई मौत में पुलिस ने जांच के बाद ठेकेदार के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक हादसा अंकुर आंगन कालोनी में हुआ। मृतक का नाम प्रेम राठौर (2×) है। पुलिस ने जांच के बाद आरोपी दयाराम पिता दगडू राठौर निवासी देवपुरी खजराना के खिलाफ सुरक्षा में लापरवाही का केस दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक प्रेम राठौर यादव के मकान में पुताई का काम कर रहा था तभी गिर पड़ा।

विवाद में चाकू से किए वार

इंदौर। एमआईजी क्षेत्र में मामूली विवाद के बाद आरोपियों ने एक युवक को घेरकर चाकू और डंडे से वार कर दिए। हमले में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दज4 कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। थाना ए ाआईजीव पुलिस के अनुसार मारपीट और चाकूबाजी की घटना नंदानगर स्थित आस्था टाकीज के सामने हुई। घायल का नाम शुभम गुप्ता है। पुलिस ने फरियादी आकाश पाल निवासी विनोबा नगर की रिपोर्ट पर आरोपी प्रशांत जैन और उसके साथी देव उर्फ छोटू विश्वकर्मा के खिलाफ केस दर्ज किया गया। फरियादी ने पुलिस को बताया कि मैं अपने दोस्त शुभम गुप्ता के साथ उसके घर के पास खड़ा था। इसी दौरान वहां नंदानगर के ही रहने वाले आरोपी प्रशांत और देव उर्फ छोटू विश्वकर्मा पहुंचे और बिना कारण गाली गलौज करने लगे। जब शुभम ने गाली देने का विरोध किया तो आरोपी भड़क गए और डंडे से शुभम के सिर पर वार कर दिया। फिर लात घूसों से बुरी तरह पीटना शुरू कर दिया।

ब्रिज की गैपप में अटक गया ट्रक

इंदौर। कनाडिया इलाके में एक ट्रक चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए ट्रक को ब्रिज के बीच में बनी गैप में उतार दिया जिससे ट्रक वहीं अटक गया। गनीमत रही कि ट्रक ब्रिज की गैप में अटक गया और ब्रिज से नीचे नहीं गिरा नहीं तो बड़ी जनहानि हो सकती थी। बाद में ट्रक के चालक ने रिवर्स लेकर ट्रक को निकालने का खूब प्रयास किया लेकिन ट्रक नहीं निकला। राहगीरों का कहना था कि ट्रक का चालक शराब के नशे में था।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक गोपाल गावंडे द्वारा पंकज प्रिंटर्स एण्ड पैकेजिंग एल.यू.एन 22 सेक्टर एफ सांवेर रोड़, इण्डस्ट्रीयल एरिया इंदौर म.प्र. एवं जी-1 कॉस्मिक रीजेंसी 117 गोकुल नगर कनाडिया इंदौर म.प्र. से प्रकाशित संपादक गोपाल गावंडे (पी.आर.बी.) एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार (सभी विवादो का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)